RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:239 ता. 12 मार्च 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना सीएम पर कांग्रेसी दलित नेताओं से भेदभाव का आरोप

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी और उनके साथी मंत्रियों पर अपनी पार्टी कांग्रेस के दलित नेताओं से भेदभाव करने का आरोप लगा है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में दिख रहा है कि एक मंदिर में वे स्टूल पर बैठे हैं, जबकि दलित नेता

डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क और वन-पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा नीचे बैठी हैं। वीडियो सामने आने के बाद से तेलंगाना सीएम की आलोचना हो रही है। भारत राष्ट्र समिति पार्टी ने एक्स पर पोस्ट करके कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर दलित नेताओं का अपमान करने का आरोप लगाया है। बताया जा रहा है कि ये मंदिर नलगोंडा जिले का यदाद्री मंदिर है।

पश्चिम बंगाल में पूर्व पति-पत्नी एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बिष्णुपुर लोकसभा सीट से पूर्व पति-पत्नी एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने रविवार को 42 सीटों पर कैंडिडेट्स का ऐलान किया। इसमें बिष्णुपुर से सुजाता मंडल को उम्मीदवार

बनाया है। वहीं 2 मार्च को आई भाजपा की सूची में इसी सीट से सौमित्र खान को उतारा गया है। सौमित्र यहां से मौजूदा सांसद हैं। सौमित्र और सुजाता के बीच 2021 में तलाक हो गया था। दोनों के अलग होने की कहानी भी राजनीतिक है। दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुजाता मंडल अपने पति के साथ भाजपा में थीं, लेकिन फिर उन्होंने पार्टी छोड़ दी। इससे नाराज होकर सौमित्र ने कैमरे पर ऐलान किया था कि वे सुजाता से अलग हो रहे हैं।

यूक्रेन जंग पर बनी डॉक्यूमेंट्री को मिला ऑस्कर

लंदन (एजेंसी)। '20 डेज इन मारियुपोल' को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म का ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। फिल्म में रूसी हमले से तबाह हुआ यूक्रेनी शहर मारियूपोल दिखाया गया है। 24

फरवरी 2022 को शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग के एक महीने में यह शहर 90 प्रतिशत तबाह हो गया था। फिल्म के कई शॉट्स तब ही रिकॉर्ड किए गए थे। एसोसिएटेड प्रेस और पीबीएस फ्रंटलाइन ने मिलकर ये डॉक्यूमेंट्री बनाई है। फिल्ममेकर और फोटो-वीडियो जर्नलिस्ट मस्टीस्लाव चेर्नोव इसके डायरेक्टर हैं। चेर्नोव ने अवॉर्ड लेते हुए कहा- काश यह फिल्म बनाने की जरूरत नहीं पड़ती। काश रूस ने यूक्रेन पर कभी हमला किया ही नहीं होता। मैं चाहता हूं कि सीजफायर हो जाए। सभी लोग आजादी से रहें।

एमपी हाईकोर्ट इंदौर का बड़ा फैसला

ज्ञानवापी की तरह भोजशाला का भी होगा एएसआई सर्वे

5 एक्सपर्ट 6 सप्ताह में सर्वेक्षण कर सौंपेंगे रिपोर्ट

इंदौर/धार (एजेंसी)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने ज्ञानवापी की तर्ज पर धार भोजशाला का सर्वे कराने के आदेश दिए हैं। सोमवार को इस मुद्दे पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) को 5 एक्सपर्ट की टीम बनाने को कहा है। इस टीम को 6 सप्ताह में रिपोर्ट सौंपनी होगी। हाईकोर्ट ने इस वैज्ञानिक सर्वे को जीपीआर-जीपीएस तरीके से करने के लिए कहा है। जीपीआर यानी ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार जमीन के अंदर विभिन्न स्तरों की हकीकत जांचने की तकनीक है। इसमें रडार का उपयोग होता है। यह अदृश्य यानी छुपी वस्तुओं के विभिन्न स्तर, रेखाओं और संरचनाओं का माप लेता है। इसी तरह जीपीएस सर्वे यानी ग्लोबल पॉजिशनिंग सिस्टम के तहत भी सर्वे किया जाएगा। पूरे सर्वे की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई जाएगी।

याचिका के बिंदु, जिनके आधार पर मांग स्वीकार की गई

हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने 1 मई 2022 को इंदौर हाईकोर्ट में यह याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि हर मंगलवार को हिंदू भोजशाला में यज्ञ कर उसे पवित्र करते हैं और शुक्रवार को मुसलमान नमाज के नाम पर यज्ञ कुंड को अपवित्र कर देते हैं। इसे रोका जाए। भोजशाला का पूर्ण आधिपत्य हिंदुओं को सौंपा जाए। इसके लिए आवश्यक हो तो संपूर्ण भोजशाला की फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और खुदाई करवाई जाए। हाईकोर्ट ने इन बिंदुओं के आधार पर सर्वे की मांग स्वीकार कर ली है। भोजशाला में मंगलवार को पूजा और शुक्रवार को नमाज की जाती है। इस कुंड में हवन-पूजन होता है।

यह है भोजशाला से जुड़ा विवाद

जिला प्रशासन की वेबसाइट के अनुसार भोजशाला राजा भोज ने बनवाई थी। यह यूनिवर्सिटी थी, जिसमें वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। मुस्लिम शासक ने इसे मस्जिद में परिवर्तित कर दिया था। इसके अवशेष प्रसिद्ध मौलाना कमालुद्दीन मस्जिद में देखे जा सकते हैं। यह भोजशाला के कैंपस में स्थित है जबकि देवी प्रतिमा लंदन के म्यूजियम में रखी है। भोजशाला में मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना करने की अनुमति है। शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष को नमाज पढ़ने के लिए दोपहर 1 से 3 बजे तक प्रवेश दिया जाता है। इसके लिए दोनों पक्षों को निःशुल्क प्रवेश मिलता है। बाकी दिनों में 1 रुपए का टिकट लगता है। इसके अलावा वसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा के लिए हिंदू पक्ष को पूरे दिन पूजा और हवन करने की अनुमति है।

यह है भोजशाला का इतिहास

हिंदू पक्ष का कहना है कि यह सरस्वती देवी का मंदिर है। सदियों पहले मुसलमानों ने इसकी पवित्रता भंग करते हुए यहां मौलाना कमालुद्दीन की मजार बनाई थी। भोजशाला में आज भी देवी-देवताओं के चित्र और संस्कृत में श्लोक लिखे हुए हैं। अंग्रेज भोजशाला में लगी वाग्देवी की प्रतिमा को लंदन ले गए थे। याचिका में कहा गया है कि भोजशाला हिंदुओं का उपासना स्थल है। मुसलमान नमाज के नाम पर भोजशाला के भीतर अवशेष मिटाने का काम कर रहे हैं।

गाजीपुर में बारात से भरी बस पर गिरा हाईटेंशन तार

- **आग लगने से 4 की मौत, चंद सेकंड में पूरी बस जली, नाराज ग्रामीणों ने किया पथराव**

गाजीपुर (एजेंसी)। गाजीपुर में बड़ा हादसा हुआ है। यहां हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर चलती बस में आग लग गई। जिसमें 4 लोगों के जिंदा जलकर मौत की सूचना है। हालांकि मरने वालों का आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा हो सकता है। वहीं, कुछ झुलसे लोगों को अस्पताल भी भेजा गया है। बस में कुल 50 बाराती सवार थे।

घटना के बाद गुस्साए लोगों ने पुलिस प्रशासन पर जमकर पथराव किया। डीएम आर्यका अखौरी, पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह और एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने मौके पर पहुंचकर मामले को शांत कराया। अभी वह ग्रामीणों को समझाने में लगे हैं। हादसे के वक्त बस मऊ के खिरिहा खाजा से बारात लेकर महाहर धाम जा रही थी। सिर्फ एक किलोमीटर का रास्ता बचाने के लिए मेन रोड की जगह शॉर्टकट से जा रहे थे।

पुलिस पर लोगों ने पथराव किया

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर एक हजार से ज्यादा ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने बचाव की कोशिश की, लेकिन आग की लपटों के बीच कोई बस के नजदीक नहीं जा पाया। दरअसल, हाईटेंशन लाइन लटक कर काफी नीचे आ गई थी। जिसकी वजह से हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही मरदह, विरनव, कासिमाबाद और दुल्लहपुर थानों की फोर्स मौके पर पहुंची, तो वहां हालात बेकाबू हो गए।

हरियाणा में पीएम ने द्वारका एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया, रोड शो निकाला

कांग्रेस चुनावी सरकार चलाती थी; घोषणा कर घोंसले में छुप जाती : पीएम मोदी

गुरुग्राम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के गुरुग्राम से सोमवार को द्वारका एक्सप्रेस-वे समेत 112 प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने रोड शो निकाला और द्वारका एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया। उनके साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और हरियाणा सीएम मनोहर लाल समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के इस विकास में अगर सबसे ज्यादा किसी को दिक्कत है तो वह कांग्रेस और उसके इंडिया गठबंधन को। उनकी नींद खराब हो गई है। देश कहां से कहा पहुंच गया, लेकिन कांग्रेस और उनके दोस्तों का चश्मा नहीं बदला। उनके चश्मे का नंबर अभी भी वही है ऑल नेगेटिव।

उन्होंने कहा कि ये तो वो लोग हैं जो केवल चुनावी सरकार चलाते थे। इन्होंने 2006 में 1000 करोड़ किलोमीटर का एक्सप्रेस वे बनाने की घोषणा की थी, लेकिन वह घोंसले में घुस गए, लेकिन इसको हमने 2018 में पूरा किया। पीएम ने कहा कि मेरा सपना है कि 2047 तक देश विकसित होना चाहिए।

लोगों ने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जलाई- पीएम ने कहा कि विकास के इस उत्सव के लिए आइए मेरे साथ अपने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट चालू कीजिए।

2047 तक देश विकसित होना चाहिए

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 दशक में जो गड्ढे खोदे थे वह तेजी से भरे जा रहे हैं। ये मोदी की गारंटी है। साथियो आप सभी को इस विकास के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मेरा सपना है कि 2047 तक देश विकसित होना चाहिए। हमारा हरियाणा विकसित होना चाहिए। हिंदुस्तान का कोना-कोना विकसित होना चाहिए।

हाईस्पीड कॉरिडोर बनाने पर फोकस

पीएम ने कहा कि आज हम देश में 9 हजार किलोमीटर हाईस्पीड कॉरिडोर बनाने पर फोकस कर रहे हैं। इसमें से 4 हजार किलोमीटर कॉरिडोर बनकर तैयार हो चुका है। आज 21 शहरों में मेट्रो की सुविधा है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

एसबीआई आज तक दे इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा

चुनाव आयोग 15 मार्च तक वेबसाइट पर डाले; एसबीआई ने मांगा था 30 जून तक का समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने से जुड़े केस में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने करीब 40 मिनट में फैसला सुना दिया। एसबीआई ने कोर्ट से कहा- बॉन्ड से जुड़ी जानकारी देने में हमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसके लिए कुछ समय चाहिए। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा- पिछली सुनवाई (15 फरवरी) से अब तक 26 दिनों में आपने क्या किया? करीब 40 मिनट की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा- एसबीआई 12 मार्च तक सारी जानकारी का खुलासा करे। इलेक्शन कमीशन सारी जानकारी को इकट्ठा कर 15 मार्च शाम 5 बजे तक इसे वेबसाइट पर पब्लिश करे।

कांग्रेस चुनाव समिति की दूसरी बैठक

लोकसभा चुनाव के लिए 7 राज्यों के कैंडिडेट पर चर्चा, दूसरी लिस्ट आ सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की दूसरी बैठक सोमवार शाम 6 बजे से पार्टी हेडक्वार्टर में हो रही थी। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी थे। बैठक में 7 राज्यों- कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा, तमिलनाडु, दिल्ली और मध्य प्रदेश की सीटों पर चर्चा हुई।

सीएए, सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट लागू, नोटिफिकेशन जारी

गैर मुस्लिम पाक, बांग्ला और अफगान शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के पहले देश में सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट लागू हो गया है। सरकार ने सोमवार शाम को नोटिफिकेशन जारी कर दिया। इससे पहले कहा गया था को पीएम मोदी इस पर खुद ऐलान करेंगे। लेकिन बाद में ये खबरें गलत साबित हुईं।

मोदी ने सिर्फ अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण पर वैज्ञानिकों को बधाई दी

मोदी ने सिर्फ अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण पर वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन यानी डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- मिशन दिव्यास्त्र के लिए हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व है।

शाह ने कहा था- सीएए लोकसभा चुनाव के पहले लागू होगा

गृह मंत्री अमित शाह ने 10 फरवरी को कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले देश में सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सीएए देश का एक्ट है, इसे हम यकीनन नोटिफाई करेंगे। इसे चुनाव से पहले नोटिफाई किया जाएगा और चुनाव से पहले इसे लागू भी किया जाएगा। इसे लेकर कोई कन्फ्यूजन नहीं होना चाहिए।

पीएम मोदी ने 1000 दीदियों को ड्रोन सौंपे

बोले- मैंने जब भी महिला सशक्तिकरण की बात की, कांग्रेस जैसी पार्टियों ने मेरा मजाक उड़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार को दिल्ली में सशक्त नारी-विकसित भारत प्रोग्राम में शामिल हुए। उन्होंने एक हजार दीदियों को ड्रोन सौंपे। ये ड्रोन फसलों की निगरानी, पेस्टिसाइड्स-फर्टिलाइजर का छिड़काव और बीज बुवाई जैसे कामों में मददगार होंगे। पीएम इंडियन एग्रिकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट में नमो ड्रोन दीदियों की ओर से आयोजित कृषि ड्रोन प्रदर्शन देखेंगे।

इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि जब भी मैंने महिला सशक्तिकरण पर बात की, तब कांग्रेस जैसी पार्टियों ने मेरा मजाक उड़ाया और अपमान किया। मोदी की स्कीम जमीनी अनुभवों के नतीजों पर आधारित हैं। आज हमने 10,000 करोड़ रुपए की राशि इन दीदीयों के खाते में जमा कराई हैं।

पीएम ने कहा कि कोई भी देश या समाज में नारी शक्ति की गरिमा बढ़ाते हुए ही आगे बढ़ सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से पहले की सरकारों के लिए महिलाओं की मुश्किलें और उनका जीवन कभी प्राथमिकता नहीं रही, मेरा अनुभव है कि अगर महिलाओं का थोड़ा अवसर-सहारा मिल जाए तो उन्हें सहारे की जरूरत नहीं रहती है वे लोगों का सहारा बन जाती हैं। पीएम ने नमो ड्रोन दीदी योजना लॉन्च की। इसके तहत 1094 प्रशिक्षित महिला ड्रोन पायलट्स को किसान ड्रोन दिए गए हैं।

2022 में नमो ड्रोन स्कीम शुरू हुई थी

नमो ड्रोन दीदी स्कीम की शुरुआत 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। इसके तहत 1 लाख महिलाओं को अगले 5 सालों में ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा गया। इस योजना को देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिए लागू किया गया।

रामलला के दर्शन करने अयोध्या पहुंचे स्पीकर ओम बिरला

अयोध्या। देश दुनिया के वीवीआईपी अयोध्या में रामलला के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी अपने परिवार सहित अयोध्या में भगवान के दर्शन करने पहुंचे। इससे पहले रामनगरी में अयोध्या स्टेशन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। अयोध्या स्टेशन पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, प्रदेश के मंत्री दयाशंकर सिंह और महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने उनका स्वागत किया। लोकसभा अध्यक्ष दो दिवसीय दौरे पर राम नगरी पहुंचे हैं। अपने प्रवास के दौरान लोकसभा अध्यक्ष परिवार समेत रामलला का दर्शन करेंगे। इसके साथ ही वे सोमवार की शाम होने वाली सरयू आरती में भी शामिल होंगे। इससे पहले वे माहेश्वरी समाज के धर्मशाला की भूमि पूजन में शामिल होंगे। जानकारी के मुताबिक शाम 4:30 बजे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अपनी पत्नी डॉ अमिता बिरला के साथ श्रीराम मंदिर में रामलला के दर्शन करेंगे। शाम 5:30 बजे के बाद वे सरयू नदी के तट पर महाआरती में भी भाग लेंगे। अयोध्या दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष सुबह 9:30 बजे फिर रामलला के दर्शन करेंगे। साथ ही सुबह 10:30 बजे हनुमान गढ़ी के दर्शन कर आश्रम भ्रमण करेंगे। मंगलवार को ही वह दोपहर 1:45 बजे हवाई मार्ग से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

सुभासपा की नेता नंदिनी राजभर की घर में घुसकर हत्या, ग्रामीणों ने दिया धरना

लखनऊ। सुभासपा की महिला नेत्री नंदिनी राजभर की घर में घुसकर दिन दहाड़े हत्या कर दी गई। आरोपी खलीलाबाद के डीघा स्थित उनके घर में घुसे और धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला करके हत्या कर दी। इस घटना के दौरान नंदिनी के पति मजदूरी करने गए थे और सास खेत पर काम कर रही थी। हत्या की खबर लगते ही ग्रामीणों में आक्रोश भड़क उठा। उन्होंने कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दिया। ग्रामीणों और समर्थकों की पुलिस से झड़प भी हुई। देर रात आश्वासन पर लोग माने और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका। उधर, कोतवाल को आईजी कार्यालय बस्ती से संबद्ध कर दिया गया है। पूरे घटनाक्रम की जांच एएसपी बस्ती करेंगे। आईजी आरके भारद्वाज ने अन्य पुलिसकर्मियों की भी भूमिका की जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही भूमि विवाद की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है। खलीलाबाद कोतवाली स्थित डीघा मोहल्ला निवासी अच्छेलाल की पत्नी नंदिनी राजभर (30) सुभासपा महिला मंच की प्रदेश महासचिव थीं। रविवार को वह घर पर अकेली थीं। उनकी सास आरती खेत में काम करने गई थीं। पति अच्छे लाल मजदूरी करने गए थे। दोपहर बाद 3:30 बजे सास खेत से घर लौटीं तो देखा जमीन पर नंदिनी का खून में सना शव पड़ा था। नंदिनी के गले व जबड़े पर धारदार हथियार से प्रहार किया गया था। कार्रवाई की मांग पर ग्रामीणों ने देर रात तक प्रदर्शन किया। सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर से नंदिनी के परिजनों की बातचीत हुई। नंदिनी के हत्या की खबर के बाद मौके पर ग्रामीणों का कार्यकर्ताओं की भीड़ जुट गई। उसके ससुर की मौत के मामले में आरोपित फरार चल रहे लोगों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। शव को पुलिस अभी उठा नहीं पाई है। इस दौरान मौके पर सांसद, डीएम, आईजी रेंज बस्ती व एसपी मौके पर पहुंच स्थिति का जायजा लिया और सख्त से सख्त कार्रवाई करने की बात कही पर लोग नही माने। फिर सुभासपा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओपी राजभर से भी इस घटना के बारे में फोन पर बात हुई लेकिन परिजन मानने को तैयार नही हुए। प्रशासन के काफी मान-मनौवल के बाद रात करीब पौने ग्यारह बजे परिजन शव के पोस्टमार्टम के लिए माने। नंदिनी राजभर की हत्या को भूमि विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। 29 फरवरी को उनके ससुर का शव रेलवे ट्रैक पर मिला था। एक मार्च को नंदिनी ने डीघा के लोगों के साथ कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर कुछ लोगों पर हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया था। वह इस मामले में कार्रवाई के लिए पैरवी कर रही थीं। पुलिस ने एक को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। दो बाहर थी। उसके गिरफ्तारी की मांग हो रही थी। नंदनी के पति अच्छेलाल ने भूमि विवाद में हत्या होने का आरोप लगाया है।

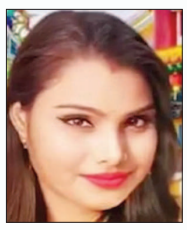

आम चुनाव से पहले जेएनयू छात्रसंघ चुनाव को लेकर दिल्ली में सियासी पारा गर्म

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में एक और सियासी जंग की घोषणा हो गई है। दिल्ली के जवाहर लाल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में इसी महीने चुनाव होने है। जेएनयू में 22 को स्टूडेंट यूनियन के लिए मतदान होगा और 24 मार्च को नतीजे घोषित किए जाएंगे। दरअसल जेएनयू में चार साल बाद छात्रसंघ का चुनाव होने वाले है। जेएनयू के छात्रसंघ चुनाव पर सिर्फ कैंपस नहीं बल्कि इससे बाहर के लोगों की भी खास दिलचस्पी रहती है। वामपंथ का गढ़ कहे जाने वाले जेएनयू में पिछले कुछ सालों में भाजपा के छात्र संगठन एबीवीपी की मजबूती के कारण यह मुकाबला रोचक हो गया है। पिछला जेएनयूएसयू चुनाव 2019 में हुआ था। कोरोना के समय से विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव स्थगित था। जेएनयू में 2019 के छात्रसंघ चुनाव में वामपंथी छात्र संगठनों एसएफआई, आईसा, एआईएसएफ और डीएसएफ के संयुक्त मोर्चे ने शानदार जीत दर्ज की थी। आइशी घोष एबीवीपी के प्रत्याशी को हराकर छात्रसंघ की अध्यक्ष बनी थीं। 15 मार्च को सुबह 9:30 से शाम 5 बजे तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे। शनिवार को स्वीकार गिए गए नामांकन का प्रदर्शन होगा। उसी दिन 10 बजे से एक बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। शनिवार को तीन बजे उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट सामने आएगी।

माले में डेरा डाले हुए है चीन का जासूसी जहाज....भारत पर नजर

नई दिल्ली। पड़ोसी देश चीन अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा है। चीनी सैन्य अनुसंधान-सर्वेक्षण-निगरानी जहाज शियांग यांग होंग 3 वर्तमान में माले बंदरगाह पर रुका हुआ हैं। एक अन्य सहयोगी जहाज शियांग यांग होंग 01 भारत के पूर्वी समुद्री तट पर निगरानी के लिए बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों निगरानी जहाजों को मालदीव में चीन समर्थक मुइज्जू सरकार के साथ दिखाती है जो जासूसी जहाज को माले में डॉक करने की अनुमति देती है। भले ही श्रीलंका ने पिछले 22 दिसंबर, 2023 को सर्वेक्षण जहाजों के खिलाफ एक साल की रोक की घोषणा की थी, लेकिन इनपुट से संकेत मिलता है कि जहाज डॉकिंग की अनुमति देने के दबाव में रानिल विक्रमसिंघे सरकार के साथ कोलंबो बंदरगाह पर डॉक कर सकता है। दोनों जहाजों की निगरानी भारतीय नौसेना द्वारा की जा रही है। समुद्री सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इन जहाजों का प्रत्यक्ष उद्देश्य हाइड्रोग्राफी करना है। और आईओआर में भविष्य में पीएएल नौसेना की पनडुब्बी संचालन के लिए हाइड्रोलॉजिकल सर्वेक्षण, लेकिन भारत के पूर्वी समुद्र तट पर चीनी जासूसी जहाजों की मौजूदगी का उद्देश्य विशाखापत्तनम के पास स्थित पनडुब्बी ले जाने वाली भारतीय परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल के हस्ताक्षर को चुनने के अलावा बालासोर परीक्षण रेंज से मिसाइल फायरिंग की निगरानी करना भी हो सकता है।

अगले सप्ताह फिर बदलेगा मौसम का मिजाज...कहीं बारिश कही बर्फबारी के असर

नई दिल्ली। इन दिनों देश के मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले चार दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश में छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने 12 और 13 मार्च को इस क्षेत्र में छिटपुट आंधी और बिजली गिरने की भी भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों के दौरान रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल और माहे में गर्म मौसम रहेगा। मौसम विभाग ने 13 मार्च को व्यापक रूप से हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी की भी भविष्यवाणी की है, साथ ही 12 और 13 मार्च को इस क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।

परमाणु हमले की जिद पर अड़े थे पुतिन, पीएम मोदी के एक इशारे पर रुकी यूक्रेन की तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। रुस और यूक्रेन का युद्ध लंबे समय से चल रहा है। रुसी राष्ट्रपति पुतिन नहीं चाहते थे कि युद्ध लंबा चले। इसलिए वे परमाणु हमले की जिद लिए बैठे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे बात की तब पुतिन ने अपनी जिद छोड़ी। कल्पना कीजिए यदि परमाणु हमला होता तो यूक्रेन का नामो निशान मिट जाता और दुनिया के दूसरे देश भी इससे प्रभावित होते।

रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से कहा गया है, हमारा मानना है कि इस बारे में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अपनी चिंता दिखाना, विशेष रूप से रूस और ग्लोबल साउथ के प्रति प्रमुख देशों की चिंता सहायक और प्रेरक कारक था। इससे यह समझ पैदा हुई कि इस सबकी कीमत क्या हो सकती है।साल 2022 में उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के मौके पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करते हुए पीएम मोदी ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया था और रूसी नेता से कहा कि यह युद्ध का युग नहीं है।पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा था कि लोकतंत्र, कूटनीति और संवाद ने दुनिया को एक साथ रखा है।जवाब में रूसी नेता ने कहा था कि वह भारत की चिंताओं को समझते हैं और उन्होंने पीएम मोदी से वादा किया कि वह संघर्ष को खत्म करने की कोशिश करेंगे, हालांकि उन्होंने इसे लंबा खींचने के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया। वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि जैसे ही 2022 में शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध बाद में तेज हो गया, अमेरिका ने कीव के खिलाफ मास्को द्वारा संभावित परमाणु हमले के लिए कठोरता से तैयारी शुरू कर दी। अधिकारियों ने कहा कि जो बाइडेन प्रशासन विशेष रूप से चिंतित था कि रूस युद्धक्षेत्र में परमाणु हथियार का उपयोग कर सकता है और यह 1945 में अमेरिका द्वारा हिरोशिमा और नागासाकी पर बम गिराए जाने के बाद पहला परमाणु हमला हो सकता है। तभी अमेरिका ने रूस को ऐसे हमले के प्रति हतोत्साहित करने के लिए भारत और चीन से मदद मांगी। रिपोर्ट में कहा गया है, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि चीनी नेता शी जिनपिंग और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आउटरीच और सार्वजनिक बयानों ने संकट को टालने में मदद की।प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने जो चीजें कीं उनमें से एक न केवल उन्हें सीधे संदेश देना था, बल्कि दृढ़तापूर्वक आग्रह करना, दबाव डालना, अन्य देशों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

कांग्रेस नेताओं के भाजपा में शामिल होने पर गहलोत का बयान, केंद्रीय एजेंसियों के डर से भाजपा में जा रहे

जयपुर। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने बीजेपी में शामिल होने पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं को कांग्रेस ने पहचान दी। वे केंद्रीय एजेंसियों के डर से भाजपा में जा रहे हैं। हालांकि सियासी घटनाक्रम पर अभी तक कांग्रेस प्रमुख डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष जूली, सचिन पायलट का बयान नहीं आया है।

दरअसल रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे लालचंद कटारिया, राजेंद्र यादव के साथ रिछपाल मिर्धा, विजयपाल मिर्धा, आलोक बेनीवाल, खिलाड़ी लाल बैरवा, रिजु झुनझुनवाला सहित कई नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ली थी। इसके बाद गहलोत ने कहा कि जिन नेताओं को कांग्रेस ने पहचान दी। वे केंद्रीय एजेंसियों के डर से भाजपा में जा रहे हैं। गहलोत ने लिखा कि हमें गांधी परिवार से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिसमें राहुल गांधी और पूरे परिवार को कई-कई दिनों तक ईडी ने पूछताछ के बहाने परेशान किया। उनकी संसद सदस्यता रद्द कर घर तक खाली करवा दिया था लेकिन वे हर दबाव का मुकाबला मजबूती से कर रहे हैं। देशभर में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से अन्याय, महंगाई, नफरत और बेरोजगारी के खिलाफ यात्रा कर जनजागरण का काम कर रहे हैं। राजनीति में मुकाबला इस तरह डटकर किया जाता है। गहलोत सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा है कि कांग्रेस मुक्त भारत की बात करने वाली भाजपा अब कांग्रेस युक्त हो चुकी है। हार के डर से भाजपा कांग्रेस के नेताओं को भाजपा में शामिल कर रही है।

लोकसभा चुनाव करीब तो लगी परियोजनाओं की झड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो इसके पहले सरकार परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास की झड़ी लगा दी है। जिसके चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले हफ्ते 2.3 लाख करोड़ रुपये की मेगा परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाई। इन परियोजनाओं में राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे, सहायक बुनियादी ढांचे, बिजली उत्पादन एवं ट्रांसमिशन, हवाईअड्डे और केंद्र के स्वामित्व वाले बंदरगाहों का विकास भी शामिल हैं। इनमें से करीब 38,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं को मंजूरी दी जाएगी जबकि करीब 61,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। प्रधानमंत्री द्वारा घोषित की जाने वाली ज्यादातर परियोजनाओं के शुरुआत होने में ही काफी लंबा वक्त लगेगा जैसे कि राष्ट्रीय राजमार्ग, जल विद्युत परियोजना, बिजली ट्रांसमिशन और बंदरगाह आदि। सोमवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजधानी में ही करीब 1 लाख करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजना को हरी झंडी दिखाएंगे जिसमें 19 किलोमीटर का द्वारका एक्सप्रेसवे शामिल है जिसे केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी मेगा परियोजना भारतमाला योजना के तहत बनाया जाना है। पिछले अगस्त में केंद्र के लिए यह परियोजना विवाद का सबब बनी जब नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) ने परियोजना की लागत बढ़ने पर मंत्रालय की आलोचना की थी जिसे ऑडिटर के मुताबिक 250 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से बनाया जा रहा है। पिछले हफ्ते मोदी ने आजमगढ़ में करीब 34,000 करोड़ रुपये, अरुणाचल प्रदेश में 65,000 करोड़ रुपये (पीएम उन्नति योजना सहित), असम में 17,500 करोड़रुपये, तेलंगाना में 62,800 करोड़ रुपये और कोलकाता से 15,000 करोड़ रुपये की विभिन्न रेल एवं शहरी परिवहन परियोजना को हरी झंडी दिखाई और शिलान्यास किया जिसमें दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) शामिल है। मोदी ने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी तेल एवं गैस क्षेत्र की परियोजनाओं का उद्घाटन 2 मार्च को किया जिसकी लागत करीब 1।62 लाख करोड़ रुपये है। ये परियोजनाएं बिहार, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और कर्नाटक से जुड़ी हैं। इनमें से प्रमुख प्रधानमंत्री द्वारा कच्चे तेल के पहले टैंकर को हरी झंडी दिखाना है जो ओएनजीसी के कृष्णा गोदावरी (केजी) बेसिन के ब्लॉक से मिली है। उत्पादन बढ़ने के साथ ही इस परियोजना से देश के तेल एवं गैस उत्पादन में 7 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इसी दिन मोदी ने आईओसीएल के बरौनी रिफाइनरी के विस्तार के लिए भी शिलान्यास किया जिसकी लागत 11,400 करोड़ रुपये से अधिक होगी। शनिवार को भी अपनी असम यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी प्राकृतिक गैस को ले जाने वाली पाइपलाइन का उद्घाटन किया। हालांकि चुनाव से पहले की जाने वाली महत्त्वपूर्ण घोषणा शुक्रवार को ही कर दी गई जब प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर रसोई गैस सिलिंडर की कीमतों में 100 रुपये की छूट की घोषणा की। बिजली के क्षेत्र में भी मोदी ने पिछले हफ्ते सोमवार को 32 परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

अरुण गोयल के इस्तीफे पर असदुद्दीन ओवैसी ने कह दी बड़ी बात

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी कहना है कि जब भारत का चुनाव आयोग 13 मार्च के बाद किसी भी दिन कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है, ऐसी स्थिति में उससे ठीक पहले चुनाव आयुक्त अरुण गोयल का इस्तीफा देना कई सवाल खड़े करती है। ओवैसी ने कहा, मैंने संसद में कहा था कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ जाकर मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का तरीका बदल रही है। इससे अगर इन्हें नियुक्त करने वाले तीन लोगों में से दो सरकार के हैं तो जाहिर सी बात है कि सरकार अपने लोगों को ही रखेगी। अरुण गोयल या सरकार को इसका कारण बताना चाहिए कि चुनाव से ठीक पहले ऐसा क्यों हुआ। नए सीईसी की नियुक्ति प्रक्रिया में कानून मंत्री के नेतृत्व वाली और दो केंद्रीय सचिवों सहित एक सर्च कमिटी शामिल होगी। ये पांच नामों को शॉर्टलिस्ट करेगी। इसके बाद प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली एक चयन समिति, जिसमें प्रधानमंत्री की ओर से नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता या सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता शामिल होंगे वे अंतिम उम्मीदवार का चयन करेगी। इसके बाद राष्ट्रपति औपचारिक रूप से चुने हुए सीईसी या ईसी की नियुक्ति करेंगे। तीन सदस्यों वाले भारत के चुनाव आयोग में पहले से ही एक पद खाली चल रहा था और अब अरुण गोयल के इस्तीफे से चुनाव पैनल में सिर्फ श्री कुमार ही बचे हैं। अरुण गोयल पंजाब कैडर के 1985 बैच के आईएएस अधिकारी थे। वह नवंबर 2022 में चुनाव आयोग में शामिल हुए थे। सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने की संभावना है। इससे ठीक पहले गोयल के अप्रत्याशित तरीके से जाने से अब तारीखों की घोषणा में कुछ देरी भी हो सकती है।

चांद के बाद समुद्र के अध्ययन की तैयारी, लांच होगा मिशन मत्स्य 6000

-6 किलोमीटर गहरे समुद्र का अध्ययन का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांद पर मिशन को सफलतापूर्वक कराने के बाद अब भारत गहरे समुद्र के अध्ययन करने की योजना तैयार कर रहा है। पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरन रिजिजू ने कहा है कि भारत को साल 2025 के अंत तक अपने समुद्रयान में सतह के नीचे 6 किलोमीटर गहरे समुद्र का अध्ययन करने के लिए सक्षम होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि पनडुब्बी मत्स्य 6000 की मदद से इंसान समुद्र के नीचे 6,000 मीटर की गहराई तक जा सकता है। इस साल के अंत तक इसका टेस्ट होगा।

रिजिजू ने कहा कि जब आप समुद्रयान की बात करते हैं, तब आप समुद्र के अंदर 6 किलोमीटर की गहराई तक जाने के हमारे मिशन के बारे में बात कर रहे हैं, जहां प्रकाश भी नहीं पहुंच सकता है। मैं कह सकता हूं कि जहां तक हमारे मत्स्य का सवाल है, यह मशीन मनुष्यों को अंदर ले जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने परियोजना की समीक्षा कर वैज्ञानिकों को इस साल के अंत तक पहला उथले पानी का परीक्षण करने में सक्षम होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि लेकिन मोटे तौर पर मुझे विश्वास है कि 2025 के अंत तक, इसका मतलब है कि अगले साल, हमें अपने मानव चालक दल को 6,000 मीटर से अधिक गहरे समुद्र में भेजने में सक्षम होना चाहिए। समुद्रयान, या गहरे महासागर मिशन, 2021 में शुरू किया गया था। मिशन में मत्स्य 6000 का उपयोग करके मध्य हिंद महासागर में समुद्र तल तक 6,000 मीटर की गहराई तक पहुंचने के लिए एक चालक दल का अभियान शुरू करना है, जिसे तीन सदस्यों के चालक दल को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

पनडुब्बी वैज्ञानिक सेंसर और उपकरणों के एक समूह से लैस होगी, और इसमें 12 घंटे की परिचालन क्षमता होगी, जिसे आपातकालीन स्थिति में 96 घंटे तक बढ़ाया जा सकता है। अब तक, अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और जापान जैसे देशों ने गहरे समुद्र में सफल चालक दल मिशनों को अंजाम दिया है। भारत इस तरह के मिशनों के लिए विशेषज्ञता और क्षमता का प्रदर्शन करके इन देशों के रैंक में शामिल होने के लिए तैयार है।

सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को झटका, संदेशखाली मामले की सीबीआई जांच पर रोक लगाने से इनकार

कलकत्ता (एजेंसी)। ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। संदेशखाली में ईडी अधिकारियों के हमले की जांच को सीबीआई को सौंपे जाने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले में कोई दखल देने से इनकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी अधिकारियों पर हमले से संबंधित संदेशखाली मामले में सीबीआई जांच का निर्देश देने वाले कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य पुलिस और सरकार के खिलाफ हाईकोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों को हटा दिया। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल राज्य द्वारा दायर एक विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई कर रही थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा मामले को स्थानांतरित करने और मुख्य आरोपी शाहजहाँ शेख की हिरासत को केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का निर्देश देने के बाद याचिका तत्काल दायर की गई थी।

उच्च न्यायालय का निर्णय राज्य पुलिस के मामले को संभालने के तरीके और आरोपी शाहजहाँ शेख के कथित राजनीतिक प्रभाव पर चिंताओं पर आधारित था। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि राज्य पुलिस पूरी तरह से पक्षपाती है और 50 दिनों से अधिक समय से फरार आरोपी को बचाने के लिए जांच में देरी करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। आज सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और जयदीप गुप्ता ने पश्चिम बंगाल राज्य का प्रतिनिधित्व किया। वरिष्ठ वकील ने राज्य पुलिस सदस्यों के साथ एक विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन को रद्द करने और इसके बजाय मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने के फैसले पर सवाल उठाया।

जब अदालत ने पूछा कि मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को कई दिनों तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया, तो गुप्ता ने जांच पर रोक का हवाला दिया। उन्होंने राज्य पुलिस की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए उच्च न्यायालय की टिप्पणी को भी चुनौती दी। ईडी अधिकारियों पर हमले की घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तारी से बचने में मदद की थी। राजू ने यह भी तर्क दिया कि राज्य पुलिस द्वारा मामले को संभालने में अन्य कमियां थीं, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत आरोप जोड़ने में देरी भी शामिल थी।

जातीय संघर्ष के बाद भी मणिपुर विकास में पीछे नहीं रहेगा: सीएम बीरेन सिंह

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने दावा किया है कि भले ही मणिपुर जातीय हिंसा का शिकार रहा हो लेकिन यहां के विकास कार्य प्रभावित नहीं होने चाहिए। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में आबादी पर जातीय संघर्ष का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि इसके बावजूद विकास पहल को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। इंफाल पूर्वी जिले के लमलाई में एक प्राकृतिक घास फुटबॉल मैदान के निर्माण के शुभारंभ पर अपनी टिप्पणी में उन्होंने कहा, विकास कार्यों को जारी रखने की जरूरत है, हालांकि राज्य कठिन दौर से गुजर रहा है।

गृह विभाग संभालने वाले बीरेन सिंह ने विपरीत परिस्थितियों में युवाओं और महिलाओं के लचीलेपन की सराहना की। उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रगति हासिल करने में कड़ी मेहनत और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित करने की कोशिश करने वाली ताकतों के खिलाफ राज्य की मूल आबादी के बीच एकता को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने नागरिकों से लंबे समय से चले आ रहे सह-अस्तित्व पर जोर देते हुए वाहनों और लोगों की आवाजाही को बाधित नहीं करने का आग्रह किया।फुटबॉल मैदान मणिपुर के लिए कई परियोजनाओं का हिस्सा है, जिनकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वर्चुअल तौर से रखी थी।इंटानगर में विकसित भारत विकसित पूर्वोत्तर कार्यक्रम के तहत पीएम ने मणिपुर सहित छह पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 55,600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का अनावरण किया। इनमें से कुल 3,500 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मणिपुर के लिए थीं।बीरेन सिंह ने कहा, जिन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई, उनमें लमलाई में प्राकृतिक घास वाले फुटबॉल मैदान का निर्माण भी शामिल था और इसलिए राज्य सरकार ने रविवार को निर्माण कार्य शुरू करने का फैसला किया है।राज्य में चल रहे संकट के कारणों और समाधान पर संसदीय चर्चा के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का आभार जताते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य और इसके लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी सरकार के अथक प्रयासों पर प्रकाश डाला।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय महिला का शव कूड़ेदान में मिला

कैनबरा। विदेशों में रह रहे भारतीयों का हत्याएं ज्यादा हो रहीं है। अब तक कई देशों में इस तरह के मामले सामने आए हैं। आस्ट्रेलिया में भी एक भारतीय मूल की महिला का शव कूड़ेदान में मिला है। कहा जा रहा है कि कथित तौर पर उनके पति ने ही इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है। फिलहाल, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। खबर हैं कि महिला बीते कुछ दिनों से किसी के संपर्क में नहीं थी। पुलिस ने मृतका के करीबी पर ही हत्या का शक जताया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, महिला चैतन्या स्वेता मधागनी पिछले कुछ समय से वह अपने परिवार के साथ ऑस्ट्रेलिया में रह रही थी। वह हैदराबाद की रहने वाली थीं। उनका शव शनिवार को एक सुनसान सड़के के किनारे कूड़ेदान में पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि स्वेता का पति अशोक राज अपने पांच साल के बेटे के साथ तकरीबन पांच मार्च को भारत गया था। इसके बाद से ही स्वेता गायब थीं और उनका संपर्क किसी नजदीकी या दोस्त से नहीं हुआ था। स्वेता के पति अशोक ने ऑस्ट्रेलिया में मौजूद अपने पड़ोसियों और कुछ करीबियों से फोन पर बातचीत कर स्वेता के बारे में जानकारी जुटाई थी। अशोक ने पुलिस से भी फोन पर बातचीत की है और उनके साथ जांच में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया है। पुलिस को हत्या के कुछ सुराग भी मिले हैं, उसका मानना है कि हत्यारा ऑस्ट्रेलिया से भाग चुका है। विधायक बंडारी लक्ष्मा रेड्डी ने बताया है कि महिला उनके क्षेत्र की थीं और उन्होंने परिवार से भी मुलाकात की है। रेड्डी ने कहा कि महिला के माता-पिता के अनुरोध पर उन्होंने महिला के शव को भारत लाने के लिए विदेश मंत्रालय को पत्र भी लिखा है। विधायक का कहना है कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी को भी इस संबंध में जानकारी दे दी है। उन्होंने कहा कि महिला के माता-पिता से मिली जानकारी के अनुसार, उनके दामाद ने ही बेटी को मारने की बात कबूली है।

अंतरिक्ष नासा ढूंढ रही नए अंतरिक्ष यात्री

-अगले साल तीन भारतीय जाएंगे अंतरिक्ष के सफर पर

वॉशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा भी नए अंतरिक्ष यात्री ढूंढ रही है। इसके लिए आवेदन मांगे गए हैं।अगर आप भी अंतरिक्ष के सफर पर जाने की ख्वाहिश रखते हैं, तो इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।लेकिन उससे पहले योग्यता भी जान लीजिए। ये भी जानिए कि अगर आपमें वह क्षमता है तो आवेदन कैसे करें? रिपोर्ट के मुताबिक, नासा लगभग 60 साल से अपने एस्ट्रोनॉट को स्पेस में भेज रही है।अब तक करीब 2000 अंतरिक्ष यात्री वहां भेजे जा चुके हैं। इनमें से कई तो वर्षों तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर गुजारकर आए हैं।अब नासा 2030 तक मंगल ग्रह और चांद पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की तैयारी कर रही है।आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत चंद्रमा पर एक महिला और एक पुरुष एस्ट्रोनॉट भेजा जाएगा।इसी के लिए नासा ने आवेदन मांगे हैं। इच्छुक लोग 2 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। नासा ने बताया कि यह पूर्णकालिक पद होगा।इसके लिए हर साल 1.25 करोड़ रुपये सैलरी भी मिलेगी।आवेदन करने के लिए आपका पहले से एस्ट्रोनॉट होना जरूरी नहीं है। लेकिन नासा के चयन के मानदंड कड़े हैं। आवेदकों को इंजीनियरिंग, बॉयोलॉजिकल साइंस, फिजिकल साइंस, कंप्यूटर साइंस या मैथ्स में मास्टर डिग्री होनी चाहिए। लेकिन सबसे खास बात, उसे अमेरिकी नागरिक होना आवश्यक है इन विषयों में अगर पीएचडी हैं तो फिर और बेहतर।मेडिसिन के क्षेत्र में काम करने वाले लोग, या पायलट भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा आवेदक को शरीरिक रूप से फिट होना चाहिए। उसकी दृष्टि बेहतर होनी चाहिए। ब्लड प्रेशर की दिक्कत नहीं होनी चाहिए।नासा के टेक्सास दफ्तर में उसे अंतरिक्ष यात्री बनने के लिए दो साल की ट्रेनिंग दी जाएगी। स्पेस में चलने और रोबोटिक्स का उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।इसके बाद वे एस्ट्रोनॉट की कोर टीम का हिस्सा बन जाएंगे।चयनित लोग आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत चंद्रमा या मंगल ग्रह पर जाने के लिए चुने जा सकते हैं।लेकिन इससे पहले उन्हें अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा जाएगा। बता दें कि अगले साल तीन भारतीय भी अंतरिक्ष के सफर पर जाने की तैयारी कर हैं।

लेबनान के गांव पर इजरायली हमले में 3 की मौत

बेरूत। दक्षिणी लेबनान के हेब्बारिए गांव पर हुए इजरायली हवाई हमले में अल-फज़्र सेना के तीन सदस्य मारे गए है। जबकि एक सदस्य घायल हो गया। इजरायली युद्धक विमानों ने एक वाहन पर चार मिसाइलें दागीं, इसकारण वाहन में मौजूद तीन लोगों की मौत हुई और चौथा घायल हो गया। नागरिक सुरक्षा इकाइयों और रेड क्रॉस के सदस्यों ने शवों और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सुन्नी सशस्त्र समूह अल-फज़्र सेना ने हाल ही में दक्षिणी लेबनान से इजरायली सेना के खिलाफ कई सैन्य अभियान चलाया है।

रेडियोधर्मी मिलने के कारण 194 कैदियों को स्थानांतरित किया

लंदन। ब्रिटेन के प्रिंसटाउन शहर में एचएमपी डार्टमूर पुरुष जेल ने रेडॉन गैस नामक रेडियोधर्मी मिलने के कारण नवंबर से फरवरी के बीच 184 कोठरियों को बंद कर दिया और 194 कैदियों को स्थानांतरित किया। मीडिया ने जेल प्रवक्ता के हवाले से कहा कि नियमित जांच में रेडॉन गैस के सामान्य स्तर से ज्यादा मिलने के बाद एहतियात के तौर पर कई कैदियों को स्थानांतरित किया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि इमारत में रेडॉन के स्तर को स्थायी रूप से कम करने के काम के बीच कैदियों का स्थानांतरण एक अस्थायी उपाय है।

प्रिंस हैरी की पत्नी मेघना का खुलासा....गर्भावस्था के दौरान ऑनलाइन धमकियों और दुर्व्यवहार को साह

लंदन। ब्रिटेन के शाही परिवार की बहू ने गर्भावस्था के दौरान खराब बर्ताव का सामना करने की बात कही है। किंग चार्ल्स के बेटे प्रिंस हैरी की पत्नी मेघन ने कहा है कि उन्होंने क्रूर ऑनलाइन बदमाशी और दुर्व्यवहार का अनुभव किया है। ऐसा उनके साथ गर्भावस्था के दौरान हुआ। मेघन ने कहा कि मैं अपनी भलाई के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखती हूं। क्योंकि सोशल मीडिया और ऑनलाइन धमकियों और दुर्व्यवहार का अनुभव मुझे तब हुआ जब मैं आर्ची और लिली मेरे पेट में थे। मेघन ने कहा कि अगर आप किसी महिला के बारे में कुछ भयानक पढ़ रहे हैं, नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। मुझे लगता है कि डिजिटल स्पेस में हम अपनी मानवता के बारे में भूल गए हैं और बदलना होगा। मेघन ने प्रिंस हैरी से शादी के बाद 6 मई, 2019 को अपने पहले बच्चे आर्ची हैरिसन माउंटबेटन-विंडसर को जन्म दिया। इसके बाद जोड़े ने 4 जून, 2021 को लिलिबेट डायना का स्वागत किया। 42 वर्षीय पूर्व अभिनेत्री मेघन और प्रिंस हैरी शाही परिवार सार्वजनिक तौर पर ज्यादा सक्रिय नहीं है। वे कैलिफोर्निया में आर्कवेल फाउंडेशन के माध्यम से अपने समाजसेवा के कामों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। मेघन जानी मानी अमेरिकी अभिनेत्री रह चुकी हैं। तीन साल पहले भी मेघन ने इंटरव्यू में शाही परिवार पर गंभीर आरोप लगाए थे। मेगन ने बकिंघम पैलेस पर रंग के आधार पर भेदभाव करने का आरोप लगाकर कहा था कि राजपरिवार में रहने के दौरान उन्हें आत्महत्या के ख्याल आने लगे थे। शाही परिवार उनके बेटे आर्ची के रंग को लेकर परेशान था। उनके इन आरोपों ने शाही परिवार में तहलका मचा दिया था।

इंडोनेशिया में भारी बारिश और बाढ़ के कारण नाव से इधर-उधर जाते हुए लोग।

भारतीय उच्चायुक्त प्रमुख से लंदन में मिले सीएम नीतीश कुमार

-ब्रिटेन में बसे बिहार के लोगों से की मुलाकात

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त प्रमुख विक्रम के. दोरईस्वामी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। बिहार में मुख्यमंत्री सचिवालय ने बताया, ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त दोरईस्वामी ने मुख्यमंत्री नीतीश से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच निर्माणाधीन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साइंस सिटी को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि वे पटना में निर्माणाधीन साइंस सिटी को विश्वस्तरीय बनाना चाहते हैं, ताकि विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों खासकर ऐतिहासिक और समृद्धशाली अतीत को धारण करने वाली बिहार एवं पाटलिपुत्र की भूमिका को लोगों के सामने लाया जा सके। मुख्यमंत्री नीतीश ने साइंस म्यूजियम का दौरा करने के बाद अपने अनुभवों को भी साझा किया। भारतीय उच्चायुक्त ने खगोलीय गणना एवं गणितीय विश्लेषण के क्षेत्र में बिहार की प्रशंसा कर कहा कि बिहार ने पूरी दुनिया को इस क्षेत्र में ज्ञान की रोशनी दिखाई है। उन्होंने कहा कि बिहार में नई साइंस सिटी में इससे संबंधित जानकारियां और सामग्रियां लोगों को अपने गौरवशाली अतीत से रूबरू कराएगी। भारतीय उच्चायुक्त ने नीतीश को साइंस सिटी के निर्माण में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। वहीं, लंदन में सिखों की संस्था 'यूके सेवा दल के जत्थेदार बाबा मोहिंदर सिंह और ब्रिटेन में बसे बिहार के लोगों ने मुख्यमंत्री कुमार से मुलाकात की। बाबा मोहिंदर सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री को सम्मानित किया और छह साल पहले 350वें प्रकाश पर्व का आयोजन करके दुनिया भर के सिखों का दिल जीतने के लिए उनकी सराहना की।

चीन और पाकिस्तान से तनाव के बीच दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बना भारत! रूसी हथियारों पर निर्भरता कम की

इस्लामाबाद (एजेंसी)। एक महत्वपूर्ण भूराजनीतिक बदलाव के तहत, भारत रूसी हथियारों पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है, पाकिस्तान और चीन के साथ बढ़ते तनाव का मुकाबला करने के लिए अपनी रक्षा खरीद में विविधता ला रहा है। 2014-18 और 2019-23 के बीच हथियारों के आयात में 4.7त्न की मामूली वृद्धि के बावजूद, भारत के आयात में रूसी हथियारों की हिस्सेदारी में भारी गिरावट आई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में कहा कि 2009-13 की अवधि में रूस की भारतीय हथियारों के आयात में हिस्सेदारी 76प्र. से घटकर नवीनतम पांच साल की अवधि में 36त्न हो गई है।

दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बना भारत

यह कदम 1960 के दशक के बाद पहली बार है कि भारत के आधे से भी कम हथियार आयात रूस से होते हैं। इसके बजाय, भारत अपनी बढ़ती रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए फ्रांस और अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों की ओर रुख कर रहा है, साथ ही अपने घरेलू हथियार उद्योग को भी बढ़ावा दे रहा है।

पश्चिमी आपूर्तिकर्ताओं और घरेलू उद्योग को बढ़त हासिल हुई

भारत की रक्षा खरीद रणनीति में बदलाव उसके नए ऑर्डर और हथियार खरीद योजनाओं में स्पष्ट है, जिसमें अब रूसी विकल्पों को छोड़कर, पश्चिमी आपूर्तिकर्ताओं की भारी सुविधा है। यह परिवर्तन अपनी हथियार आपूर्ति श्रृंखला के विविधीकरण के माध्यम से अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में भारत की रणनीतिक धुरी को रेखांकित करता है।

लड़ाकू विमानों सहित महत्वपूर्ण सौदों के साथ फ्रांस विशेष रूप से एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गया है, जो भारत और पश्चिमी देशों के बीच गहरे रक्षा संबंधों को रेखांकित करता है। एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसी तरह, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करते हुए एक प्रमुख हथियार आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है।

क्षेत्रीय सुरक्षा गतिशीलता

यह रणनीतिक पुनर्गठन पड़ोसी पाकिस्तान और चीन के साथ बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में आया है। दुनिया के पांचवें सबसे बड़े हथियार आयातक पाकिस्तान में हथियारों के आयात में 43प्र. की वृद्धि देखी गई है, जिसमें चीन इसका प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। चीन-पाकिस्तान रक्षा साझेदारी के मजबूत होने से, पाकिस्तान के 82प्र. हथियार आयात चीन से होते हैं, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा जटिलताएँ बढ़ गई हैं।

उभरते सुरक्षा परिदृश्य के प्रति भारत की प्रतिक्रिया में विविध हथियारों के आयात और स्वदेशी सैन्य विकास के माध्यम से अपनी रक्षा स्थिति को मजबूत करना शामिल है। रूसी से पश्चिमी हथियार आपूर्तिकर्ताओं की ओर बदलाव क्षेत्र में बदलती भू-राजनीतिक गतिशीलता और सुरक्षा चुनौतियों के जवाब में भारत की विदेश नीति और रक्षा रणनीति में व्यापक बदलाव का प्रतीक है।

वैश्विक हथियार व्यापार में बदलाव

संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी यूरोप सामूहिक रूप से 2019-23 की अवधि में सभी हथियारों के निर्यात के 72प्र. के लिए जिम्मेदार थे, जो पिछले पांच साल की अवधि में 62त्न से वृद्धि दर्शाता है। एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि अकेले अमेरिका ने अपने वैश्विक हथियार निर्यात में 17प्र. की वृद्धि की, जिससे वैश्विक स्तर पर अग्रणी हथियार आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत हुई। फ्रांस एक उल्लेखनीय खिलाड़ी के रूप में उभरा, जिसने अपने हथियारों के निर्यात में 47प्र. की वृद्धि देखी और खुद को रूस से आगे रखा। फ्रांसीसी हथियारों के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि, विशेष रूप से भारत, कतर और मिस्र जैसे देशों में लड़ाकू विमानों में उल्लेखनीय वृद्धि, इसके हथियार उद्योग के लिए रणनीतिक बढ़ावा का प्रतीक है।

इसके विपरीत, दोनों अवधियों के बीच रूस के हथियारों के निर्यात में 53प्र. की गिरावट आई। इस तीव्र कमी के परिणामस्वरूप रूस पहली बार फ्रांस से पीछे रहकर तीसरा सबसे बड़ा हथियार निर्यातक बन गया।

यूरोपीय हथियार आयातः एक नई ऊंचाई

यूरोपीय राज्यों ने हाल के पांच वर्षों की अवधि में अपने हथियारों के आयात में 94प्र. की वृद्धि की है, जिसमें एक महत्वपूर्ण हिस्सा (55प्र.) संयुक्त राज्य अमेरिका से आया है। यह वृद्धि यूरोप की पर्याप्त सैन्य-औद्योगिक क्षमता और ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को बनाए रखने के महत्व को दर्शाती है। यूक्रेन, विशेष रूप से, रूस के साथ संघर्ष के कारण सबसे बड़ा यूरोपीय हथियार आयातक और विश्व स्तर पर चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है।

चीन फिर कर रहा हिमाकत, मालदीव और हिंद महासागर में सर्विलांस जहाज के जरिए क्या है मंशा?

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी सैन्य अनुसंधान-सर्वेक्षण-सर्विलांस जहाज जियांग यांग होंग 3 ने वर्तमान में माले बंदरगाह पर लंगर डाल रखा है। वहीं अब एक अन्य सहयोगी जहाज जियांग यांग होंग 01 भारत के पूर्वी समुद्री तट पर निगरानी के लिए बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। समुद्री यातायात वेबसाइट हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों सर्विलांस जहाजों को मालदीव में चीन समर्थक मुइज़ू सरकार के साथ कनेक्ट करके देख रही है जो जासूसी जहाज को माले में डॉक करने की अनुमति देती है। चूंकि 01 जहाज का कोई सूचीबद्ध गंतव्य नहीं है, इसलिए खुफिया इनपुट से संकेत मिलता है कि जासूसी जहाज ऑपरेशनल टर्नअराउंड (ओटीआर) के लिए श्रीलंकाई बंदरगाह की ओर रुख करेगा।

भले ही श्रीलंका ने पिछले 22 दिसंबर, 2023 को सर्वेक्षण जहाजों के खिलाफ एक साल की रोक की घोषणा की थी, लेकिन इनपुट से संकेत मिलता है कि जहाज डॉकिंग की अनुमति देने के दबाव में रानिल विक्रमसिंघे सरकार के साथ कोलंबो बंदरगाह पर डॉक कर सकता है। दोनों जहाजों की निगरानी भारतीय नौसेना द्वारा की जा रही है। समुद्री सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इन जहाजों का प्रत्यक्ष उद्देश्य आईओआर में भविष्य में पीएलए नौसेना के पनडुब्बी संचालन के लिए हाइड्रोग्राफी और हाइड्रोलॉजिकल सर्वेक्षण करना है।

भारत के पूर्वी समुद्र तट पर चीनी जासूसी जहाजों की मौजूदगी बालासोर परीक्षण पर मिसाइल फायरिंग की निगरानी करना भी हो सकता है। विशाखापत्तनम के पास स्थित पनडुब्बी ले जाने वाली भारतीय परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल के हस्ताक्षर चुनने के अलावा रेंज। भारत के पास वर्तमान में तीन परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल ले जाने वाली पनडुब्बियां हैं और तीसरी वर्तमान में गहरे समुद्र में परीक्षण कर रही है।

खुशी इतनी की बिना कपड़ों के मंच पर पहुंच गए जॉन सीना

वाशिंगटन (एजेंसी)। ऑस्कर अवार्ड समारोह में कुछ न कुछ आश्चर्यजनक होता ही रहा है। फिर इस बार का समारोह बिना चौंकाए कैसे पूरा हो सकता है। इस बार रेस्लर और हॉलीवुड एक्टर जॉन सीना ने एक हरकत करके पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने बिना कपड़ो के स्टेज पर आकर सुर्खियां बटोरी है। इससे पहले विल स्मिथ द्वारा थप्पड़ मारने वाली घटना भी काफी चर्चा हुई थी। बता दें कि ऑस्कर कहा जाने वाला एकेडमी अवॉर्ड्स एक ऐसा फिल्म पुरस्कार समारोह है जो सिर्फ विजेताओं नहीं बल्कि अन्य कारणों से भी चर्चा में रहता है। जॉन सीना, जो अपने हास्यबोध के लिए जाने जाते हैं, पुरस्कार समारोह में मेजबान जिमी किमेल के साथ एक प्लेकार्ड के साथ में मजाकिया अंदाज में शामिल हुए। सभी को आश्चर्यचकित करते हुए, सीना ने अपरंपरागत तरीके से सर्वश्रेष्ठ पोशाक डिजाइन के लिए नामांकित व्यक्तियों की घोषणा करके मजाक को अगले स्तर पर ले लिया। वह मंच पर बिना कुछ पहने पहुंचे, जिससे दर्शक के साथ-साथ बड़े-बड़े स्टार्स हैरान रह गए। प्लेकार्ड के पीछे छिपे जॉन सीना ने दर्शकों के लिए एक यादगार और मनोरंजक क्षण पेश करते हुए विनोदपूर्वक पुरस्कार प्रदान किया। अप्रत्याशित स्टंट ने ऑस्कर समारोह में एक हल्का-फुल्का स्पर्श जोड़ दिया और सीना और किमेल के बीच मजाक के साथ-साथ दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर दिया।

पाकिस्तान में हाल में हुई बारिश के कारण दिलीप कुमार का पैतृक आवास क्षतिग्रस्त

पेशावर (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार का पैतृक आवास हाल में हुई बारिशों के चलते गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद लगभग ढहने के कगार पर है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मूसलाधार बारिश ने घर के पुनर्वास और नवीनीकरण के बारे में खैबर पख्तूनख्वा के पुरालेख विभाग के बड़े-बड़े दावों की पूरी तरह से पोल खोल दी है। दिलीप कुमार का जन्म 1922 में पेशावर शहर के ऐतिहासिक किस्सा ख्वानी बाजार के पीछे मुहल्ला खुदादाद में स्थित इस घर में हुआ था और 1932 में भारत जाने से पहले उन्होंने अपने शुरुआती 12 साल यहीं बिताए थे।

पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 13 जुलाई 2014 को इस घर को पाकिस्तान का राष्ट्रीय विरासत स्मारक घोषित किया था। कुमार एक बार अपने घर आए थे और उन्होंने भावुक होकर वहां की मिट्टी को चूम लिया था। खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की विरासत परिषद के सचिव शकील वहीदुल्ला खान ने कहा कि पेशावर में हाल में हुई बारिश ने कुमार के घर को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है।

वर्ष 1880 में बनी इस संपत्ति के बारे में उन्होंने कहा कि खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत की पिछली सरकार ने काफी सारे अनुदान देने का वादा किया था, इसके बावजूद इस राष्ट्रीय विरासत की सुरक्षा व संरक्षण के लिए एक पैसा भी खर्च नहीं किया गया है। दुनिया भर से यहां आने वाले पर्यटक ऐतिहासिक संपत्ति की जर्जर हालत देखकर निराश हो जाते हैं। पुरालेख विभाग द्वारा घर का अधिग्रहण करने से पहले इसकी देखभाल करने वाले मुहम्मद अली मीर ने कहा कि वह बहुत सावधानी से इसकी उचित तरीके देखभाल कर रहे थे।

अली ने कहा कि पुरालेख विभाग द्वारा अधिग्रहण के बाद घर की हालत खराब होने लगी और इसके पुनर्वास व नवीनीकरण की प्रक्रिया बयानों तक सिमट कर रह गई। कुमार का मकान अब वीरान पड़ा हुआ है। अली ने कहा, ÷कुमार के मन में पेशावर के लोगों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान था और दुर्भाग्यवश, हमारा विभाग उनके घर को ढहने से बचाने के लिए कुछ नहीं कर सका।÷ अभिनेता का 7 जुलाई, 2021 को 98 वर्ष की आयु में मुंबई में निधन हो गया था। उन्होंने हमेशा पेशावर शहर को अपने दिल के करीब बताया और वह अपने बचपन की बातें याद करते थे। उन्हें 1997 में पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'निशान-ए-इम्तियाज' से सम्मानित किया गया था।

पाकिस्तान बना मोहरा, कैसे चीन ने दाने-दाने को तरसते मुल्क को बुरी तरह फंसा दिया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के चुनाव में चालबाजी हुई। धांधली की खबरों से पूरी दुनिया में पाकिस्तान ने जग हंसाई करा ली। पाकिस्तान में सरकार बनाने की पैंतरेबाज़ी से अब चीन को भी चक्कर आ रहे हैं। लेकिन आखिरकार चीन इस मेड इन चाइना का ठप्पा सरकार में लगाने में कामयाब हो ही गया है। इससे पहले लगातार यह खबरें आ रही थी कि भारत विरोधी मुहिम चलाने के लिए चीन को पाकिस्तान जैसे चेहरे की ज़रूरत अक्सर पड़ती रहती है। इसलिए जिन पिक के चेहरे पर एक खास सुकून देखने को मिल रहा है। मिस्टर 10त्न आसिफ अली जरदारी भी अब राष्ट्रपति बन गए हैं। वो चीन के पुराने चाटुकार रहे हैं और इससे पहले पाकिस्तान के नए पीएम शाहबाज शरीफ ने एक बार फिर तिकड़मबाजी से गद्दी हासिल कर ली है। वहीं पाकिस्तान के पिट्ठू जनरल आसिम मुनीर भी पहले से ही चीन के चेले बने हुए हैं।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव में आसिफ अली जरदारी की जीत के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बाछें खिल गईं। मिस्टर 10 पर्सेंट के नाम से कुख्यात जरदारी को उन्होंने ऐसी मुबारकबाद पेश की जिससे लगा कि पाकिस्तान में मेड इन चाइना राष्ट्रपति की ताजपोशी हुई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पाकिस्तान का राष्ट्रपति चुने जाने पर आसिफ अली जरदारी को बधाई देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच फौलाद जैसी मित्रता इतिहास की पसंद है और विश्व में मौजूदा बदलाव के मद्देनजर इन संबंधों का रणनीतिक महत्व और बढ़ गया है।

लेकिन चीन दोस्ती के नाम पर पाकिस्तान का केवल इस्तेमाल ही करता है। पाकिस्तान की मीडिया में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि हिंदुस्तान की सैन्य तैयारियों से चीन के माथे पर बल पड़ गए हैं। इससे शी जिनपिंग टेंशन में है। पाकिस्तान के लोगों को भी इस बात का अहसास हो गया है कि भारत के खिलाफ चीन केवल पाकिस्तान को मोहरा बना रहा है।

संपादकीय

कोशिका संवाद

हमारा शरीर कोशिकाओं का समूह है और कोशिकाएं परस्पर संवाद करती हैं, यह धारणा पुरानी है और अब वैज्ञानिक इस धारणा का वैज्ञानिक आधार भी सुनिश्चित करने की दिशा में पुख्ता तौर पर आगे बढ़ चले हैं। नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, हमारे शरीर में मौजूद प्रतिरक्षा और स्ट्रोमल कोशिकाओं के बीच परस्पर संवाद होता है, जिसे समझने की विधि का और विकास हुआ है। प्रतिरक्षा कोशिकाएं स्ट्रोमल कोशिकाओं का सहयोग करती हैं और स्ट्रोमल कोशिकाएं भी प्रतिरक्षा या इम्यून कोशिकाओं के साथ मिलकर काम करती हैं। इम्यून कोशिकाएं, मतलब रोग प्रतिरोधक कोशिकाओं के बारे में हम ज्यादा जानते हैं, पर स्ट्रोमल कोशिकाओं के बारे में जानना दिलचस्प है। ये ऐसी कोशिकाएं हैं, जो सहज शब्दों में अगर समझें, तो ये शरीर में मरम्मत के काम करती हैं। ये अंग संयोजक कोशिकाएं हैं और पूरे शरीर में पाई जाती हैं और कुछ ऐसे अंगों में, जहां कोशिकाओं के निर्माण की लगातार जरूरत है, ये ज्यादा रहती हैं। स्ट्रोमल कोशिकाओं के काम को हम समझें, तो त्वचा को देखना उपयोगी होगा। नई त्वचा नीचे से स्वत- ही ऊपर आकर ऊपरी त्वचा का स्थान लेती है, यह कार्य मुख्यत- स्ट्रोमल कोशिकाओं के मार्फत होता है। अनेक अमेरिकी विश्वविद्यालयों के संयुक्त प्रयास से यह शोध संभव हुआ है और इसमें सबसे प्रमुख भूमिका रॉकफेलर यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों की है। वैज्ञानिकों का एक पूरा समूह कोशिकाओं के बीच संवाद को समझने की कोशिश में लगातार जुटा हुआ है और नित नए रहस्योद्घाटन हो रहे हैं। बहरहाल, इम्यून और स्ट्रोमल कोशिकाओं के संवाद से शरीर में जरूरी कोशिकाओं के निर्माण को बल मिलता है। विशेष रूप से सूजन या जलन होने पर इनका संवाद बहुत बढ़ जाता है और स्ट्रोमल कोशिकाएं कुछ ज्यादा ही सक्रियता से अपने काम को अंजाम देने लगती हैं। प्रतिरक्षा-विज्ञानी हालिया खोज से काफी खुश हैं। होमोस्टैसिस में और रोग की प्रगति के दौरान, इन सभी अंतर्क्रियाओं को रेखांकित करने वाले तंत्र को पहचानने से प्रतिरक्षा विकारों के लिए नए, अत्यधिक प्रभावकारी उपचारों को सामने लाने में मदद मिल सकती है। त्वचा, आंत, जोड़ों और फेफड़ों की सूजन संबंधी बीमारियों में नवीन चिकित्सीय क्षमता को बल मिलेगा। हालांकि, रोगों हर चरण में मापने के पैमानों की अभी कमी है, जिससे उपचार में समस्या बनी रहती है। कोशिकाओं का अध्ययन और उनके परस्पर व्यवहार को समझना इसलिए भी जरूरी है, ताकि किसी रोग में होने वाले बदलावों और शरीर के अंदर रोग या विषाणुओं से होने वाली प्रतिरोधक कोशिकाओं की लड़ाई को समझने और हार-जीत को मापने में सुविधा हो। निश्चित ही इससे उपचार पद्धतियों को बल मिलेगा। साफ तौर पर इस जरूरी शोध का मकसद स्ट्रोमल कोशिकाओं और न्यूरॉन्स द्वारा प्रतिरक्षा तंत्र में हमारे ज्ञान का विस्तार करना है। हम अगर कोशिकाओं के बारे में सब कुछ जान पाते हैं, तो इससे चिकित्सा की दुनिया में उपचार के नए तरीकों के सृजन के साथ ही, पुराने तरीकों को बदलने-सुधारने में पर्याप्त मदद मिलेगी। वैज्ञानिक तरह-तरह की कोशिकाओं की पहचान करने में जुटे हुए हैं। उनके हाथ एक ऐसी वैज्ञानिक विधि लग गई है, जिसे 'युलिपस्टिक' कहा जा सकता है, यह मोटे तौर पर एक ऐसी उपयोगी तकनीक है, जिससे अलग-अलग जैविक तंत्र में कोशिकाओं के परस्पर संवाद को समझना संभव है।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मालदीव में पाकिस्तानी खेल समझना भी जरूरी

पुष्परंजन

बाईस फरवरी, 2010 की बात है, मालदीव के तत्कालीन उपराष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद वहीद हसन ने अपने दिल्ली आगमन के दौरान भारतीय मीडिया को बताया कि मालदीव के युवाओं को पाकिस्तान और अफगानिस्तान में आतंकवादी समूहों द्वारा जिहाद के लिए भर्ती किया जा रहा है। डॉ. मोहम्मद वहीद हसन ने संकेत दिया कि लश्कर-ए-तैयबा, जिसे नवंबर, 2008 में मुंबई हमलों के लिए जिम्मेदार माना जाता है, मालदीव में सक्रिय था। उस समय भारतीय खुफिया ब्यूरो के सूत्रों के हवाले से बताया कि पाक समर्थित समूह के लगभग लगभग एक हज़ार कार्यकर्ता मालदीव में सक्रिय थे। वहीद ने कट्टरपंथी संस्थानों में भाग लेने वाले संदिग्ध युवाओं को वाया भारत आने से रोकने के लिए सहायता मांगी थी। तत्कालीन उपराष्ट्रपति के प्रेस सचिव मोहम्मद ज़ुहैर ने तब कहा था कि पाकिस्तान में 200 से 300 अपंजीकृत मालदीवियन छात्र हैं। ऐसे कई संदिग्ध वाया कोलंबो या कोच्चि मालदीव में एंट्री लेते हैं। तत्कालीन उपराष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद वहीद हसन ने जो कुछ फरवरी, 2010 में कहा था, वो बात आई-गई हो गई। न तो पाकिस्तान का शासन जिहादियों को तैयार करने से रोक सका, और भारत तो बस मूकदर्शक की भूमिका में था। मालदीव-पाकिस्तान के संबंधों को समझना है तो वहां की संसद को देखिये, जिसका निर्माण पाकिस्तान ने 45 मिलियन रुपये लगाकर किया था। माले के मागू स्थित पार्लियामेंट 'मज़लिस' का उद्घाटन 1 अगस्त, 1998 को पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की उपस्थिति में किया गया था। उसके 19 साल बाद, 25 जून, 2017 को मालदीव के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी पत्नी कलसूम नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था। नवाज़ को दोबारा मालदीव बुलाने से पहले तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन 7 मई, 2015 को इस्लामाबाद भी गये थे। देखते-देखते मालदीव, पाकिस्तान का हम प्याला-हम निवाला बन गया। राष्ट्रपति यामीन ने जिन देशों में अपने दूत भेजे, उनमें पाकिस्तान भी शामिल था। पाक सेना के तत्कालीन प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने मार्च, 2018 के अंत में मालदीव का दौरा किया था। इस समय पाकिस्तान में मालदीव के अधिकांश छात्र देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में डिग्री और पाठ्यक्रम कर रहे हैं। स्थानीय दूतावास और मालदीव सरकार के रिकॉर्ड के आधार पर पंजीकरण के अनुसार, उनकी संख्या सैकड़ों में है, जो 400 से 600 अपंजीकृत तालिब मदरसों में दीक्षा ले रहे हैं, वो पूरे उपमहाद्वीप के लिए ख़तरनाक हो सकते हैं। 1965 में मालदीव एक स्वतंत्र देश बना। भारत इस द्वीपीय राष्ट्र को मान्यता देने वाला पहला देश था। 1972 में भारत ने मालदीव में अपना पहला उच्चायोग स्थापित किया, जबकि 2004 में मालदीव ने नई दिल्ली में अपना पहला पूर्ण राजनयिक मिशन खोला था। ठीक से देखा जाए तो भारत ने दो दशकों में मालदीव से उतार-चढ़ाव वाले कूटनीतिक संबंध बनाये रखा। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि चीन पर दोष मढ़ने की बजाय, भारत को अपने पड़ोसी देशों में चल रही गतिविधियों को ध्यान में रखकर दूरगामी रणनीति बनाने की ज़रूरत थी। आप मानें न मानें पाकिस्तान, चीन, सऊदी अरब और तुर्की का नेक्सस की भूमिका दिल्ली से माले के संबंध बिगाड़ने में दरपेश रही है। बात भी सही है। भारत क्या पड़ोस से खुफिया जानकारी जुटाने में पीछे रहा है? या उसके एक्शन प्लान में कोई खोट है? इन सवालों का बेहतर उत्तर विदेश मंत्रालय ही दे सकता। चीन-मालदीव मैत्री पुल मालूम नहीं दिल्ली को कब दिखा। मालदीव की राजधानी माले को हुलहुले द्वीप से जोड़ने वाले पुल, 'क्रॉस-सी ब्रिज', का उद्घाटन 30 अगस्त, 2018 को किया गया था। जब यह पुल बना, उन दिनों मुइज्ज़ू माले के मेयर थे। बताते हैं कि उसी कालखंड में चीनी राजदूत से उनकी नज़दीकियां बढ़ी थीं। यह चीन की वन बेल्ट रोड इनीशिएटिव की शुरुआत थी, मगर अफसोस नई दिल्ली चीनी कूटनीति की रफ्तार को समझ नहीं पाया। पाकिस्तान द्वारा निर्मित मालदीव की संसद और चीन द्वारा निर्मित एक ऐसा पुल, जो माले को हुलहुले द्वीप से जोड़कर वहां की साढ़े चार लाख की आबादी में छवि निर्माण कर रहा था। बावजूद इस ख़बर के, हम 2024 तक लगभग सोये रहे। 18 मई, 2023 को भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मालदीव की तीन दिवसीय यात्रा पर थे। यात्रा के दौरान मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) को एक फास्ट पेट्रोल जहाज और एक लैंडिंग क्राफ्ट असॉल्ट जहाज सौंपा। उथुरु थिला फ़ान्हू में एकथा हार्बर के निर्माण की आधारशिला रखी। तब राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत और मालदीव के बढ़ते रक्षा सहयोग को हम और सुदृढ़ करेंगे। लेकिन हमारी मिल्ट्री इंटेलिजेंस को इसका अनुमान नहीं था कि मालदीव में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के बाद सब कुछ पलट जाने वाला है। मालदीव को भारतीय सहायता की लंबी-चौड़ी फेहरिस्त है। आपदा प्रबंधन से लेकर खोज और बचाव अभियान, हाइड्रोग्राफिक मैपिंग के अलावा दोनों सेनाएं हिंद महासागर रिम एसोसिएशन और गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव जैसे प्लेटफार्मों में भी सहयोग करती हैं। इसके अलावा, भारत ने मालदीव को दिये विमानों को संचालित करने के लिए पायलटों, पर्यवेक्षकों और इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया है। इससे माले की नीतियों में कोई फर्क़ क्यों नहीं पड़ा, इसकी समीक्षा की ज़रूरत है। यह खबर हैरान नहीं करती कि मालदीव ने चीन के साथ एक सैन्य सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू उसी दिशा में आगे बढ़ रहे थे। उनके बयान बार-बार एक खास वोट बैंक को अड्रेस कर रहे थे। मोइज्ज़ू ने अपना रुख दोहराया था कि उनके देश में नागरिक पोशाक में भी भारतीय सैनिकों की उपस्थिति नहीं होगी। पोशाक पहनें या न पहनें, भारतीय सैनिक नहीं रहेंगे, यह मोइज्ज़ू ने दो टूक कह दिया था। 4 मार्च, 2024 को मालदीव के रक्षा प्रमुख मोहम्मद ग़सन मौमून और चीनी अधिकारी मेजर जनरल झांग पाओछुन ने सैन्य सहयोग पर जैसे ही हस्ताक्षर किए, इस्तांबुल से इस्लामाबाद तक का रिएक्शन देखने लायक़ था। सोमवार को राजधानी माले में सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर के समय मंत्रालय द्वारा साझा तस्वीरों में चीनी राजदूत वांग लिशिन भी नजर आ रहे थे। मोइज्ज़ू चीन से रक्षा समझौते में अपनी जीत देख रहे हैं, लेकिन उनका देश एक ऐसी वन-वे सुरंग में घुस चुका है, जहां से निकलना मुश्किल होगा। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, मालदीव पर चीन का 1.37 बिलियन डॉलर की देनदारी है, उसके बाद सऊदी अरब (124 मिलियन डॉलर) और भारत (123 मिलियन डॉलर) का वह कर्ज़दार है। चीनी कंपनियों ने मालदीव में 1.37 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त निवेश किया है। इसे भी क़र्ज़ ही मानिये। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देश में चुनावों से पहले विकास की बरसात....

लेखक राकेश अचल

7 लोकसभा चुनाव से पहले देश में विकास की ऐसी बरसात हो रही है कि पिछड़ापन लगता है कहीं बचेगा ही नहीं। हम कल की ही बात करें तो एक ही दिन में सरकार ने 6 नए हवाई अड्डे ,छह नए टर्मिनल का लोकार्पण करने के साथ ही हजारों करोड़ रुपये की नयी योजनाओं की आधारशिलाएं रख दीं। देश में ये विकास राजनीति के पश्चिमी विक्षोभ का नतीजा है। न चुनाव होते और न देश में विकास की झड़ी लगती । लगता है कि सरकार विकास की मेघमाला को चुनावों के लिए ही रोककर रखती है। इस हवा-हवाई विकास की हकीकत क्या है ये समझना जरूरी है। चुनावों से पहले देश में विकास की बरसात हमेशा से होती आई है किन्तु भाजपा की सिंगल और डबल इंजन की सरकारों ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के लिए 370 और एनडीए गठबंधन के लिए 400 सीटें जीतने के आसमानी लक्ष्य को पाने के लिए विकास की बरसातों के सभी पुराने कीर्तिमान भंग कर दिए हैं। मौजूदा सरकार को कीर्तिमान भंग करने में महारत हासिल है । सरजू तट पर दीपक जलाने से लेकर ,सरकारें खरीदने,गिराने और विकास की बरसातें करने तक के सभी पुराने कीर्तिमान हमारी इसी लोकप्रिय सरकार ने भंग किये हैं। कांग्रेस की अव्वल तो सरकारें कम हैं और जो भी हैं वे भी नए कीर्तिमान गढ़ने में भाजपा से कोसों पीछे हैं। देश की जनता को हैरानी होती है की 74 साल के प्रधानमंत्री में इतनी ऊर्जा कहाँ से आती है जो वे उत्तर -पूर्व से लेकर पूरे देश में चुनावी दौरे ऐसे कर रहे हैं जैसे की कोई तूफ़ान खड़ा करना कहते हों। प्रधानमंत्री ने 10 मार्च को ही 15 हवाई इंफ्रा स्ट्रक्चर का लोकार्पण किया। इनमें छह नए हवाई अड्डे शामिल हैं। प्रधानमंत्री जी भले ही मणिपुर नहीं गए हों लेकिन वे उन सभी हिस्सों में गए जहाँ से सीटें मिल सकती है। वे बिहार गए,बंगाल गए,यूपी तो जाते ही रहते हैं। एमपी गए ,महाराष्ट्र गए और जहाँ नहीं जा पाए वहां उन्होंने अपनी आभासी उपस्थिति [वर्चुअल] से लोगों को नवाजा। अतीत में ये क्षमता सुर और असुर दोनों पक्षों के पास थी। अब कलिकाल में ये मायावी शक्ति केवल सत्ता पक्ष के पास बची है।

दो-दो इंजन लगाकर सरकारें चलाने वाली भाजपा ने जान और मान लिया है कि जुमलेबाजी में विकास का छोंक लगाए बिना बात बनने वाली नहीं है । देश को आप चाहे हिन्दू राष्ट्र बनाइये , चाहे अहिन्दू राष्ट्र बिना विकास के बात बनने वाली नहीं है। किसी भी देश में विकास पहली जरूरत होती है । जहाँ विकास को तरजीह नहीं दी जाती वहां बारूद ही बारूद बिछी दिखाई देती है। आसपास नजरें उठाकर देख लीजिये ,हकीकत समझ में आ जाएगी। राष्ट्र को राष्ट्र बनाये रखने के लिए सबसे पहले खुद को उदार बनाना जरूरी है। आप जुमलों से खुद को बिजूका बनाकर लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते। और यदि कर रहे हैं तो ये आपका सौभाग्य है। देश का विपक्ष और एक बड़ा वर्ग प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को खलनायक मानता है ,किन्तु मै ऐसा नहीं मानता,क्योंकि खुद मोदी जी ऐसा नहीं मानते । वे भले ही देश की 31 फीसदी जनता द्वारा चुनी गयी भाजपा के नेता हैं लेकिन हैं तो देश के प्रधानमंत्री ,इसलिए मै उन्हें खलनायक नहीं मान सकता भले ही वे खलनायकों की तरह व्यवहार करते नजर आते हों। खलनायक के भीतर भी तो एक नायक छिपा है। नायक,खलनायक और अधिनायक में जो गैर जरूरी शब्द हैं उन्हें यदि अलग कर दिया जाये तो शेष नायक ही बचता है। देश पर विकास की बरसात आखिर मोदी जी से ,भाजपा से कोई अंतर्निहित नायक ही करा रहा है। समस्या ये है कि हम या हमारी राजनीति कभी ये सवाल नहीं करती कि सरकारें विकास को एक सतत प्रक्रिया बनाये रखने के बजाय उसका इस्तेमाल एक चारे के रूप में क्यों करतीं है। सरकारों को विकास की याद ऐन चुनावों के समय ही क्यों आती है ? क्या वे चुनावों के लिए विकास को अवरुद्ध करने का अपराध नहीं करतीं ? विकास को एक जरूरत के बजाय राजनीतिक हथियार क्यों बना दिया गया है ? क्या इससे मुक्ति आवश्यक नहीं है ,या सभी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर कोई दुरभि संधि कर ली है ? परिश्रमी,दृढ प्रतिज्ञ और तपोनिष्ठ प्रधानमंत्री जी का दुर्भाग्य ये है कि अब उनके द्वारा एक दशक में बनाये गए हवामहल की ईंटे खिसकने लगीं है। अभी तक उनके द्वारा खोले गए शरणार्थी शिविरों में कांग्रेस और दीगर दलों के शरणार्थी नेता शरण ले रहे थे किन्तु अब उनकी पार्टी से भी लोग पलायन कर उनकी प्रतिद्वंदी कांग्रेस के शरणार्थी शिविरों में जाते दिखाई देने लगे है। हरियाणा से पहले मध्यप्रदेश में इसकी शुरुवात हुई थी । अब पूरे देश के अलग-अलग हिस्सों से प्रधानमंत्री के अधिनायकत्व से खिन्न लोग भाग रहे है। या बगावत कर रहे हैं। चूंकि क़ानून होने के बाद भी अब दल-बदल कोई अपराध या अनैतिक कृत्य नहीं है इसलिए सभी के लिए ये क्षम्य है। भाजपा में जिस तरह से कांग्रेस का काठ-कबाड़ भरा गया है उससे भाजपा के आम कार्यकर्ता में भारी असंतोष है ,जो विकास की बेमौसम बरसात पर भारी पड़ सकता है। चूंकि हम भाजपा के भाग्यविधाताओं की मजबूरी को समझते हैं इसलिए हमारी उनके प्रति सहानुभूति है। हमारी सहानुभूति को आप अन्यथा मत लीजिये। देश को तोड़ना और जोड़ना दो अलगअलग काम हैं जो राजनीतिक दल अपनी-अपनी समझ और सामर्थ्य से कर रहे हैं जनता धर्म के नशे में है लेकिन धीरे-धीरे धर्म का नशा उतर रहा है। उम्मीद की जाना चाहिए कि नशामुक्त अवाम अपने भविष्य का फैसला समझदारी से करेगी और नहीं करेगी तो खुद ही भुगतेगी। इसमने हमारा आपका कोई कसूर नहीं होगा। हम और आप मिलाकर अपनी क्षमता से नशे की गिरफ्त में आयु अवाम को झकझोरने का यत्न,प्रयत्न लगातार कर रहे हैं। ये जोखिम का काम है फिर भी हमने इसे छोड़ा नहीं है । कहते हैं कि जब कोई खलनायक अपनी खलवृत्ति को नहीं छोड़ता तो किसी सज्जन व्यक्ति को भी अपनी सज्जनता का त्याग नहीं करना चाहिए।

कुल जमा बात ये है कि आप विकास की बेमौसम बरसात के आनंद लीजिये लेकिन ठीक वैसे ही जैसे एक पर्यटक लेता है । हकीकत समझिये कि ये विकास बरसाती ही है ,टिकाऊ नहीं। ये एक चारा है जो मतदाता नाम की मछली को फ़साने के लिए कांटेनुमा वंशी के नुकीले सिरे पर लगाईं जाती है। चारे के लालच में यदि आपने बरसाती विकास के लिए अपना मुंह खोला तो आपका शिकार होना बहुत स्वाभाविक है। बरसाती विकास उस मांजे की तरह है जो किसी भी मछली के लिए घातक होता है।

15 मार्च को हो जाएगी दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति?

(लेखक - सनत जैन)

केंद्रीय चुनाव आयोग में संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया है। केंद्रीय चुनाव आयोग में तीन सदस्यों में से मात्र एक मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ही आयोग के एकमात्र सदस्य रह गए हैं। लोकसभा चुनाव की अधिसूचना 15 मार्च तक जारी होने की संभावना थी। ऐसी स्थिति में अब दो रिक्त पदों के लिए ताबड़तोड़ नियुक्ति की तैयारी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 मार्च को इसके लिए बैठक आयोजित की है। सर्च कमेटी द्वारा नामों की सूची तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। 15 तारीख की बैठक में 5 नाम सर्च कमेटी द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए सरकार ने जो नया कानून बनाया है, उसके अनुसार प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कमेटी के लिए एक केंद्रीय मंत्री को नामित करेंगे। नेता प्रतिपक्ष भी इस कमेटी के सदस्य होंगे। यह तीनों सदस्यों की कमेटी दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के बारे में निर्णय करेंगी। केंद्र सरकार ने जो कानून, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए बनाया है, उसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उस पर कोई स्थगन जारी नहीं किया है। नाहीं उस पर कोई सुनवाई शुरू हुई है। ऐसी स्थिति में कानून के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिसे चाहेंगे, वह दो व्यक्ति केंद्रीय चुनाव आयुक्त के रूप में पदस्थ किए जा सकेंगे। इससे केंद्रीय चुनाव आयोग का संवैधानिक संकट भी खत्म हो जाएगा। केंद्रीय चुनाव आयुक्त अरुण कुमार गोयल के इस्तीफा देने के बाद, जिस तरह के हालात बने हैं, उसको देखते हुए यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है, कि चुनाव टाले भी जा सकते हैं। 2014 में लोकसभा चुनाव की अधिसूचना 5 मार्च को जारी हुई थी। 2019 के लोकसभा चुनाव की अधिसूचना 10 मार्च को जारी हुई थी। 2024 के लोकसभा चुनाव की अधिसूचना 15 मार्च को जारी होने की संभावना थी। जिस तरह का संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया है। उसको देखते हुए लगता है, कि पहले केंद्रीय चुनाव आयुक्त के रिक्त 2 पदों पर चुनाव आयुक्त की नियुक्ति 15 मार्च को हो जायेगी। उसके बाद ही, लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होगी। केंद्र सरकार द्वारा चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो कानून लागू किया गया है, इसका विरोध बड़े पैमाने पर विपक्षी दल और समाजसेवी संगठन कर रहे हैं। कहा जा रहा है, कि सरकार ने जो कानून बनाया है। उसके अनुसार सरकार जिसे चाहेगी, उसे चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त कर लेगी। इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता खत्म होगी। चुनाव आयोग सरकार के इशारे पर काम करने वाला होगा। जिसके कारण भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होगी। अभी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। इसी बीच एक साथ दो चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अब जो नए चुनाव आयुक्त चुने जाएंगे। वह 65 वर्ष की उम्र या 6 साल का उनका कार्यकाल होगा। जो दो नए चुनाव आयुक्त बनेंगे। उनका कार्यकाल अगले 5 से 6 वर्षों का होगा। केंद्र सरकार,वन नेशन वन इलेक्शन लागू करने की दिशा में काम कर रही है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय चुनाव आयोग की भूमिका भी बड़ी महत्वपूर्ण होगी। केंद्र सरकार द्वारा जो कानून बनाया गया है, उसके अनुसार पहली बार 15 मार्च को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने के लिए बैठक होने जा रही है। यह माना जा रहा है, कि 15 मार्च को यह नियुक्ति हो जाएगी। अगले दो चुनाव आयुक्त कौन होंगे। सर्च कमेटी द्वारा किस तरह से नाम सर्च किए जाएंगे। उसके लिए कौन सी प्राथमिकताएं थीं। 10 नाम सर्च कमेटी मंत्री के पास प्रस्तुत करेगी। उनमें से 5 नामो का चयन मंत्री की कमेटी करेगी। जिन 5 नाम को मंत्री जी की अध्यक्षता वाली सर्च कमेटी मंजूर करेगी। उनके नाम प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कमेटी में रखे

जाएंगे। सर्च कमेटी का चयन के लिए उसका आधार क्या था। नेता प्रतिपक्ष की भूमिका क्या होगी। सर्च कमेटी जो नाम तय करेगी, उसके बारे में क्राइटेरिया क्या बनाया गया था। इसकी सूचना नेता प्रतिपक्ष को दी गई थी। ऐसी कई आशंकाएं हैं, जिनको लेकर अटकलों का दौर भी शुरू हो गया है।

सुकून और सुंदरता

का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।

- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की

बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पड़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।

ऐसे करें अपने बच्चे को प्री-स्कूल भेजने की तैयारी

अपने बच्चे को प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी भेजना बहुत बड़ा कदम है और यह टेंशन भी पैदा करता है। यहां गाइड आपको बताएंगे कि आप क्या उमीद रखें, जब आप अपने बच्चे को पहली बार स्कूल लेकर जाएं।

1. अपने बच्चे से प्री-स्कूल या आंगनवाड़ी के बारे में बात करें, उन्हें समझाने की कोशिश करें कि आप उसे अपने से दूर नहीं भेज रही है। उनसे उनके व्यहवार के बारे में बात करें और मूल बातें सिखाएं।
2. स्कूल के पहले दिन के लिए क्या-क्या आवश्यक है, इस बारे में पता करें- जैसे पढ़ने का समय, नाश्ते का समय आदि ताकि आप उन्हें समझा सकें कि स्कूल से वे क्या उम्मीद रखें।
3. स्कूल की जरूरत की चीजें खरीदने में मजा लाए जैसे आपके बच्चे के पसंदीदा कार्टून की पेंसिल खरिदें, अपने बजट का ध्यान रखें।
4. एक रात पहले उनसे पूछे कि स्कूल को लेकर उनके मन में क्या सवाल है?
5. उन्हें स्कूल छोडने जाएं और जब स्कूल खत्म हो तब स्कूल के बाहर उनका इंतजार करें।
6. अपने बच्चे की टीचर से हर रोज बातचीत करते रहे, उनसे समय-समय पर मिलकर बच्चे के बारे में जानकारी लें। इससे आपके बच्चे को स्कूल में नई सफलता मिलने लगेंगी। पता करें कि आप ऐसा क्या कर सकती है, जिससे आपके बच्चे और उसकी टीचर को मदद मिले।
7. अपने बच्चे से रोज पूछे कि उसने स्कूल में क्या किया? आपके बच्चे को पता होना चाहिए की स्कूल कितना जरूरी है।

लगभग 96 प्रतिशत महिलाएं दिन में एक बार किसी-न-किसी बात पर अपराध बोध महसूस करती हैं। वो कौन-सी बातें हैं, जिनके लिए हम खुद को दोषी ठहराती हैं और क्या है इस अपराध बोध से निकलने का तरीका।

पछताना छोड़ें

खुश रहना सीखें

क्या दिन में कम-से-कम एक बार आप इस बात का अफसोस जताती हैं कि मेरा वजन जरूर बढ़ गया है या फिर आज फिर से घर की सफाई को अधूरा छोड़कर मैं ऑफिस आ गई। अगर इन सब सवालों का जवाब हां में है, तो घबराएं नहीं। अधिकांश महिलाओं का यह स्वभाव होता है। पर परेशानी की बात यह है कि हर चीज के लिए खुद को दोषी ठहराने की हमारी आदत धीरे-धीरे हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित होती जाती है। हर बिगड़े हुए काम के लिए खुद को लगातार दोषी ठहराने की आपकी यह आदत आपको अवसाद के घेरे में भी ले सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इन अवसादों से उबरने का तरीका आप सीख लें।

बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाती

अधिकांश काम-काजी मां का यह मानना होता है कि वे ऑफिस की अपनी जिम्मेदारियों और बच्चों की जिम्मेदारी के बीच सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। पर सवाल यह है कि ऑफिस में रहकर बच्चों को वक्त न दे पाने का अफसोस जताने से न तो बच्चों के साथ आप वक्त बिता पा रही हैं और न ही ऑफिस की जिम्मेदारियों को पूरा करने में आप अपना 100 प्रतिशत दे पाएंगी। इस समस्या का एकमात्र हल यह है कि आप जो भी काम वर्तमान में कर रही हैं, उसे अपना 100 प्रतिशत दें। अगर ऑफिस में हैं तो वहां की जिम्मेदारियां पूरी तन्मयता से पूरी करें और अगर घर पर हैं तो बच्चों को पूरा वक्त दें।

वजन कम ही नहीं कर पा रही

70 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं कभी-न-कभी डाइटिंग करती हैं, बावजूद इसके कि उन्हें वजन कम करने की जरूरत हो या नहीं। अगर आप वाकई स्लिम और खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो इस दिशा में आपको गंभीर प्रयास करना होगा। नियमित एक्सरसाइज करें या फिर जिम जाने के लिए वक्त निकालें। साथ ही इस बात को स्वीकारें कि वजन कम करना या फिर बढ़ाना आप पर पूरी तरह से निर्भर करता है, इसलिए खुद को दोष देने की जगह इस दिशा में प्रयास करें।

शॉपिंग में कुछ ज्यादा ही पैसे खर्च कर दिए

हर महिला को शॉपिंग करने में मजा आता है, पर कई लोग ढेर सारे शॉपिंग बैग के साथ घर लौटने के बाद अपराध बोध से ग्रस्त हो जाते हैं। पर आपको यह समझना होगा कि जब परिवार के अन्य सदस्यों पर खर्च करने से आपको किसी तरह का अपराध बोध नहीं होता, तो फिर खुद पर खर्च करने के बाद पछतावा क्यों? दूसरी बात यह भी है कि अगर आप शॉपिंग के दौरान खरीदे गए सामानों पर गौर करेंगी, तो पाएंगी कि आप सिर्फ उन्हीं चीजों पर खर्च कर रही हैं, जिसकी आपको वाकई जरूरत है।

कभी टाइम पर नहीं पहुंच पाती

कभी-कभार, स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि लाख कोशिशों के बावजूद हम वक्त पर नहीं पहुंच पाते हैं। कभी-कभी हमारी इमेज ही लेट-लतीफ वाली बन जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि हम अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। ऑटो या बस में बैठकर और जाम में घंटों फंसे रहकर इस बात का अफसोस करने से कोई फायदा नहीं है कि आप लेट पहुंचने वाली हैं। कभी-कभार अपनी गलती के बिना भी आप किसी मीटिंग में देर से पहुंच सकती हैं। ऐसी घटनाओं के लिए खुद को दोष देना बंद करें।

खुद के लिए वक्त नहीं मिलता

सुपर वुमेन बनने की चाहत या मजबूरी के चलते महिलाओं को अक्सर खुद के लिए ही वक्त नहीं मिलता। फिर धीरे-धीरे शुरू होता है इस बात का अफसोस कि अपनी मनपसंद किताब पढ़े सालों बीत गए या फिर पार्लर जाने के लिए वक्त ही नहीं मिलता। पर आपको इस बात को समझना होगा कि कभी-कभार कुछ ना करना भी जरूरी है ताकि आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बन सकें।

शिवम कुमार दूबे
को सूरत भूमि की सरफ से जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ

चीन की बराबरी पर आया भारत, शेयर बाजार में ट्रेड के दिन ही होगा सेटलमेंट

सेबी की चेयरमैन माधवी पुरी बुच ने किया ऐलान

मुंबई ।
मार्केट रेगुलेटर सेबी की चेयरमैन माधवी पुरी बुच ने 11 मार्च को टी+0 सेटलमेंट को लेकर बड़ा ऐलान किया है। एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में 28 मार्च से टी+0 ट्रेड साइकिल सेटलमेंट ऑप्शनल तौर पर शुरू हो जाएगा। टी+0 सेटलमेंट का मतलब सौदे का उसी दिन निपटारा यानी ट्रेड के दिन ही सेटलमेंट होगा है।

गौरतलब है कि अभी भारत में टी+1 सेटलमेंट लागू है। इसके तहत जब आप शेयर बाजार में कोई चीज खरीदते या बेचते हैं, तब सब कुछ कंपलीट होने में एक दिन का समय लगता है। यानी अगर आपने आज शेयर खरीदा या बेचा है, तब उसका सेटलमेंट कल तक होगा। लेकिन जब टी+0 सेटलमेंट लागू हो जाएगा तब सारा सेटलमेंट उसी दिन होगा।

बुच ने कहा कि तत्काल निपटान ट्रेड साइकल भी 2025 तक पूरा हो जाएगा। इसके पूरा होते ही बाद से जैसे ही शेयरों की खरीदारी या बिक्री होगी, वैसे ही उसका सेटलमेंट भी हो जाएगा।सेबी चेयरमैन पुरी ने कहा कि मार्केट रेगुलेटर की तेजी का सबसे बड़ा कारण क्रिप्टोकरेंसी जैसे विकल्पों के बढ़ने की वजह से है। बता दें कि क्रिप्टोकरेंसी में सौद का निपटान हर घंटे हो जाता है, जिससे निवेशक बिना रिस्क की परवाह किए उसकी ओर ज्यादा भागने लगे हैं। अभी तक पूरी दुनिया के शेयर बाजारों में कम से कम टी+2 सेटलमेंट साइकल को फॉलो किया जाता है। लेकिन एशिया के दो देश हैं, जो इससे भी फास्ट हो चुके है। और वे हैं भारत और चीन। चीन इस समय टी+0 सेटलमेंट साइकल को फॉलो कर रहा है जबकि भारत टी +1 अगर भारत में टी +0 सेटलमेंट साइकल लागू होती है, तब यह सिर्फ चीन के बराबर पहुंच जाएगा।

कच्चा तेल 82 डॉलर, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में कुछ गिरावट देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। वै श्विक बाजार में हफ्ते के पहले दिन ब्रेंड क्रूड 0.51 डॉलर की गिरावट के साथ 81.57 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.54 डॉलर फिसलकर 77.47 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

मिड कैप, स्मॉल कैप फंडों में निवेश जारी रहने का अनुमानः विशेषज्ञ

नई दिल्ली । विशेषज्ञों ने कहा है कि स्मॉल-कैप और मिड-कैप फंडों में में निकासी का कोई चिंताजनक संकेत नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि चिंताओं के बावजूद बेहतर प्रतिफल की चाहत में इन फंडों में निवेश जारी रहने का अनुमान है। सेबी ने पिछले महीने के ओ खिरी अंत में म्यूचुअल फंड कंपनियों से कहा था कि वे उन निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एक रूपरेखा बनाए, जिन्होंने स्मॉल कैप और मिड कैप फंडों में निवेश किया है। पिछली कुछ तिमाहियों में इन योजनाओं में भारी निवेश के कारण सेबी ने यह कदम उठाया। मिड कैप म्यूचुअल फंड ने कुल मिलाकर 2023 में लगभग 23,000 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि स्मॉल कैप योजनाओं के लिए यह आंकड़ा 41,000 करोड़ रुपये से अधिक था। इससे पहले 2022 में मिड कैप फंडों ने 20,550 करोड़ रुपये और स्मॉल कैप फंडों ने 19,795 करोड़ रुपये जुटाए थे। दूसरी ओर लार्ज कैप म्यूचुअल फंडों में 2023 के दौरान लगभग 3,000 करोड़ रुपये की निकासी हुई। बाजार` विशेषज्ञों ने कहा कि चेतावनियों के बावजूद मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में निवेश जारी रहने का अनुमान है। फिलहाल निकासी का कोई चिंताजनक संकेत नहीं है। अल्पावधि में स्मॉल कैप और मिड कैप खंड में कुछ गिरावट हो सकती है, लेकिन इन योजनाओं में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रहेगी।

अडाणी ने गुजरात में 1,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन शुरू किया

नई दिल्ली । अडाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) ने सोमवार को कहा कि उसने गुजरात के खावड़ा आरई पार्क में 1,000 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन शुरू किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके साथ एजीईएल की कुल परिचालन क्षमता बढ़कर 9,478 मेगावाट हो गई है। कंपनी 2030 तक 45,000 मेगावाट क्षमता के अपने घोषित लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। बयान में कहा गया कि एजीईएल ने खावड़ा में काम शुरू करने के बाद 12 महीने से भी कम समय में 1,000 मेगावाट की उत्पादन क्षमता तैयार की।

कई देशों ने भारत से रुपये में व्यापार करने की इच्छा जताईः गोयल

नई दिल्ली । बांग्लादेश, श्रीलंका और खाड़ी क्षेत्र के देशों सहित कई विकसित और विकासशील देशों ने कहा है कि वह भारत के साथ रुपये में व्यापार करने के इच्छुक है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के साथ साझेदारी करने से कारोबार के लिए लेनदेन की लागत में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि इस कदम से भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा में एक बड़ा बदलाव हो सकता है। उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया कि बांग्लादेश, श्रीलंका पहले ही इस विषय में हमसे बात कर रहे हैं। खाड़ी क्षेत्र के दूसरे देश भी इस पर विचार कर रहे हैं। मुझे लगता है कि समय के साथ लोगों को इसके लाभ की जानकारी मिलेगी। गोयल ने कहा कि इस पहल में विकसित देश और सुदूर पूर्व के देश भी शामिल हो रहे हैं। सिंगापुर पहले ही कुछ हद तक इसमें शामिल है। मंत्री ने कहा कि धीरे-धीरे देशों को यह एहसास हो रहा है कि घरेलू मुद्रा में व्यापार करने के कई फायदे हैं। इसलिए कई देश अब अपनी स्थानीय मुद्रा और रुपये के बीच सीधा लेनदेन शुरू करना चाहेंगे। गोयल ने कहा कि धीरे-धीरे यह बात समझ में आ रही है कि सभी लेनदेन को तीसरी मुद्रा में बदलने से उसकी लागत में काफी वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि हमने यूएई से शुरुआत की। यूएई इसे स्वीकार करने वाले पहले देशों में से एक था। अब इसमें तेजी आ रही है। कई देश हैं, जो हमसे स्थानीय मुद्रा और रुपये में सीधे लेनदेन शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें समय लगता है। इसमें एक ढांचा तैयार करने के लिए दोनों देशों के केंद्रीय बैंकों को शामिल किया जाता है और फिर इसे आयातक और निर्यातक मंजूरी देते हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 616, निफ्टी 160 अंक गिरा

मुम्बई ।
घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही रिलायंस, टाटा मोटर्स और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली हावी होने से आयी है। भारत और अमेरिका में महंगाई और आईआईपी के आंकड़ें आने हैं। इस कारण भी निवेशकों ने आज खरीददारी में सतर्कता बरती। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 616.75 अंक करीब 0.83 फीसदी नीचे आकर 73,502.64 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 160.90 अंक तकरीबन 0.72 फीसदी टूटा। निफ्टी दिन के अंत में 22,332.65 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान आपोलो अस्पताल , नेस्टले इंडिया , सिप्ला, एसबीआई लाइफ इंश्योरें स और बजाज फिनसर्व के शेयर सबसे अधिक ऊपर आये। .

वहीं दूसरी ओर टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट , पावर ग्रिड कारपोरेशन , टाटा स्टील , बजाज ऑटो और एसबीआई के शेयर सबसे नीचे रहे।

वहीं अधिकर लार्जकैप शेयर लाल नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए, इसमें टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एसबीआई, एचयूएल, टाटा कंज्यूमर, बजाज ऑटो, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और एनटीपीसी के शेयर 1 से 3 फीसदी नीचे आये।

वहीं एसबीआई के शेयर नीचे आये। आज के कारोबार में एसबीआई के 788.65 रुपये के भाव पर खु खुलने के बाद इंट्राडे में बैंक का करीब 2 फीसदी नीचे आया। वहीं विदेशी पोर्टफोलियो

निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 6,139 करोड़ रुपये का निवेश किया है। मजबूत आर्थिक वृद्धि, बाजार की मजबूती तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट के चलते एफपीआई के बीच भारतीय शेयरों का आकर्षण बना हुआ है।

इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजार से मिले कमजोर संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 100 अंक से ज्यादा लुढ़क गया। वहीं निफ्टी में भी 21 अंक की मामूली गिरावट देखी गयी।` फिलहाल बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 102.80 अंक की गिरावट के साथ 74,016.59 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 21.20 अंक की मामूली गिरावट देखी जा रही है। निफ्टी 22,472.35 अंक पर कारोबार कर रहा है।

नेपाल में भारतीय पर्यटकों को नहीं करना होगा करेंसी एक्सचेंज

- नेपाली मर्चेंट को यूपीआई के जरिए किया जा सकेगा भुगतान

मुंबई ।
नेपाल जाने वाले भारतीय पर्यटकों को अब पड़ोसी देश नेपाल में करेंसी एक्सचेंज की जरूरत नहीं होगी। दरअसल, नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने हाल ही में कहा कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) अब पड़ोसी देश नेपाल में भी उपलब्ध है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि यूपीआई यूजर्स नेपाली मर्चेंट को क्यूआर कोड स्कैन करके पेमेंट कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल सितंबर में एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स (एनआईपीएल) और नेपाल के सबसे बड़े पेमेंट नेटवर्क फोनेपे पेमेंट सर्विस के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत ही पड़ोसी देश में यूपीआई से पेमेंट शुरू हुआ है। बयान में कहा गया कि अपने पहले चरण में भारतीय यूजर्स यूपीआई-इनेबल ऐप का इस्तेमाल करके नेपाल के विभिन्न व्यावसायिक दुकानों में तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। फोनपे नेटवर्क में शामिल मर्चेंट भारतीय ग्राहकों से यूपीआई पेमेंट ले सकते हैं। एनआईपीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह पहल न केवल डिजिटल पेमेंट सेक्टर में इनोवेशन करने की हमारी प्रतिबद्धता को, बल्कि ट्रेड के लिए नए रास्ते बनाने और दोनों देशों के बीच संबंधों को

मजबूत करने के लिए हमारे समर्पण को भी दर्शाती है। अधिकारी ने कहा कि मुझे भरोसा है कि यह क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सॉल्यूशन दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों, कॉमर्स और टूरिज्म में उल्लेखनीय सुधार करेगा।

एफपीआई ने 5 साल में शेयर बाजार से निकाले 3.5 लाख करोड़

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशक जितने पैसा निवेश करते हैं, उससे ज्यादा निकाल लेते हैं। फिर भी बाजार में रौनक बरकरार है। इसकी वजह घरेलू निवेशक हैं, 2023 में विदेशी निवेशकों ने रोज औसतन 45 करोड़ रुपए निकाले लेकिन घरेलू निवेशकों ने करीब नौ गुना ज्यादा 397 करोड़ रुपए डाले। 2018 में विदेशी निवेशक रोज औसतन 201 करोड़ रुपए निकाल रहे थे और हम 300 करोड़ रुपए निवेश रहे थे। पांच सालों में विदेशी निवेशकों ने कुल 3.5 लाख करोड़ रुपए शेयर बाजार से निकाले और इसी दौरान घरेलू निवेशकों ने 6.7 लाख करोड़ रुपए निवेश किए। एनएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 23 में 15.96 फीसदी तक बढ़ गई, जो दिसंबर 18 में 13.77 फीसदी थी। इसी दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी 19.66 फीसदी से घटकर 18.19 फीसदी पर आ गई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 6,139 करोड़ रुपए डाले हैं। मजबूत आर्थिक वृद्धि, बाजार की मजबूती तथा अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट के चलते एफपीआई के बीच भारतीय शेयरों का आकर्षण बना हुआ है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले फरवरी में उन्होंने शेयरों में 1,539 करोड़ रुपए डाले थे। वहीं जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

दुनिया की सबसे व्यस्त एयरलाइंस में से 4 अमेरिकी एयरलाइंस

- रोजाना फ्लाइट्स के हिसाब से इंडिगो आठवें नंबर पर

नई दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो है। यह रोजाना 1,900 से ज्यादा उड़ानें संचो लित करती है लेकिन दुनिया में रोजाना फ्लाइट्स के हिसाब से देखें तो इंडिगो आठवें नंबर पर है। दुनिया की सबसे बिजी एयरलाइंस में से 4 अमेरिका की हैं। हाल ही में वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुनिया में सबसे ज्यादा एक्टिव एयरलाइंस की एक सूची जारी की है। रेडर बॉक्स के हवाले से वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने बताया है कि अमेरिकन एयरलाइन दुनिया की सबसे बिजी एयरलाइन है। इस सूची में अमेरिकन एयरलाइन, डेल्टा एयरलाइंस, यूनाइटेड एयरलाइंस, साउथवेस्ट एयरलाइंस, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस, चाइना साउदर्न एयरलाइंस, रायनएयर, इंडिगो, बीजिंग एयरलाइंस और टर्किश एयरलाइंस शामिल हैं। डेली फ्लाइट्स के हिसाब से एक्टिव एयरलाइंस की इस लिस्ट में पहले नंबर पर अमेरिकन एयरलाइन है। यह कंपनी रोज 5,648 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। दुनिया की दूसरी सबसे बिजी एयरलाइन अमेरिका की डेल्टा एयरलाइंस है। यह कंपनी रोजाना 4,288 फ्लाइट ऑपरेट करती है। तीसरे पायदान पर अमेरिका की ही यूनाइटेड एयरलाइंस रोजाना 4,042 ऑपरेट करती है। अमेरिका की साउथवेस्ट एयरलाइंस रोजाना 3,717 फ्लाइट्स ऑपरेट करती हैं। इस तरह प्रमुख -4 में अमेरिका की एयरलाइन कंपनियां हैं। इस सूची में पांचवें और छठे नंबर पर क्रमशः चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस रोजाना 2,379 फ्लाइट्स और चाइना साउदर्न एयरलाइंस रोजाना 2,326 फ्लाइट्स है। रोजाना 2,227 फ्लाइट्स के साथ एक्टिव एयरलाइंस की सूची में आयरलैंड की रायनएयर सातवें स्थान पर है। इस सूची में आठवें पायदान पर इंडिगो है। यह भारत की इकलौती

एविएशन कंपनी है जो प्रमुख -10 सूची में शामिल है। यह प्रतिदिन 1,940 फ्लाइट्स का संचालन करती है। एक्टिव एयरलाइंस की सूची में बीजिंग एयरलाइंस नौवें नंबर पर है। यह रोजाना 1,657 फ्लाइट्स को संचालित करती हैं। रोजाना 1,446 फ्लाइट्स के साथ एक्टिव एयरलाइंस की सूची में टर्किश एयरलाइंस दसवें स्थान पर है।

सरकार ने चीनी स्मार्टफोन कंपनियों पर कुछ सख्त नियम लागू किए

नई दिल्ली ।
पिछले कुछ सालों में भारत में चीनी स्मार्टफोन कंपनियों की बढ़ती शक्ति और प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।

इन कंपनियों पर मनी लॉन्ड्रिंग, सीमा शुल्क चोरी और आयकर चोरी जैसे कई गंभीर आरोप लगे हैं। इन आरोपों के परिणामस्वरूप सरकार ने इन कंपनियों पर छापेमारी की है और उनके बैंक खातों को सील कर दिया है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार ने चीनी स्मार्टफोन कंपनियों पर कुछ सख्त नियम लागू किए हैं, जिनमें सरकार की सबसे पहली और महत्वपूर्ण मांग यह है कि चीनी स्मार्टफोन ब्रांडों का प्रबंधन भारतीय हो।

इसका मतलब है कि कंपनी के प्रमुख अधिकारियों, जैसे कि सीईओ, सीओओ, सीएफओ और सीटीओ, भारतीय नागरिक होने चाहिए। दूसरा है भारतीय वितरक होना।

इसके जरिए सरकार का उद्देश्य भारत में वितरण संरचना को लोकल बनाना है। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार पहले चीनी स्मार्टफोन कंपनियों के पास प्रत्येक राज्य में एक या दो चीनी स्वामित्व वाली और प्रबंधित वितरण कंपनियां थीं, जिन्हें एजेंट कहा जाता था। एजेंट स्थानीय वितरकों के माध्यम से खुदरा विक्रेताओं तक सामान पहुंचाते थे।

अब वीवो ने दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में अपने एजेंटों को खत्म कर दिया है और इन राज्यों के लिए भारतीय वितरकों को नियुक्त किया है। कंपनी की ओर से यह बदलाव अन्य राज्यों में भी किया जाएगा।

कमजोर मांग और सप्लाई घटने से चढ़ेगा बिटकॉइन

नई दिल्ली ।
पिछले एक साल में बिटकॉइन की कीमत 24,327 डॉलर से चढ़कर लगभग 52,088 डॉलर तक पहुंच गई है। इस क्रिप्टोकरेंसी में निवेश से अब भी मुनाफा मिल सकता है। बिटकॉइन के दाम बढ़ने की सबसे बड़ी वजह इसके हाजिर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) को मंजूरी मिली है। इन्हें अमेरिका में मंजूरी मिली है और संस्थागत निवेश भी अच्छा-खासा हो रहा है। बाजार के जानकार कहते हैं कि ब्लैकरॉक और फिडेलिटी जैसी संस्थाओं को हाजिर ईटीएफ के लिए वास्तविक बिटकॉइन खरीदने पड़ रहे हैं। इतने बड़े फंड रोजाना खरीद कर रहे हैं, इसलिए कीमतें चढ़ती जा रही हैं। अप्रैल में उत्पादन में कटौती भी होने जा रही है, जिसकी वजह से बिटकॉइन महंगा हो रहा है। आम तौर पर एक-दो साल तक मंदी रहने के बाद हाविंग इवेंट का इंतजार होने लगता है। इसमें बिटकॉइन के उत्पादन की दर घटाकर आधी कर दी जाती है और सप्लाई एक झटके में कम हो जाती है। फिलहाल रोजाना करीब 900 नए बिटकॉइन तैयार किए जाते हैं और हाविंग के बाद इनकी संख्या घटकर 450 रोजाना ही रह जाएगी। हाजिर बिटकॉइन ईटीएफ से अभी हर हफ्ते औसतन 5,000 बिटकॉइन की मांग आ रही है। सप्लाई घटेगी और मांग बढ़ेगी तो बिटकॉइन की कीमत में और भी उछाल आना स्वाभाविक है। यह भी माना जा रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस साल ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

अडाणी समूह की 60 हजार करोड़ निवेश की योजना

10 साल में 7 हवाई अड्डों की क्षमता में होगा विस्तार

नई दिल्ली ।
अदाणी समूह अगले 5 से 10 सालों के बीच 7 हवाई अड्डों के विस्तार के लिए 60,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है। समूह की योजना इन हवाई अड्डों की क्षमता में विस्तार कर कंपनी की आय बढ़ाना है। अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि अगले पांच सालों में एयरसाइड पर 30,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि उसके अगले पांच से 10 सालों में सिटीसाइड के लिए 30,000 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। मौजूदा समय में अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स के पास 7 एयरपोर्ट्स हैं- जिसमें मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरु, गुवाहाटी, जयपुर और तिरुवनंतपुरम शामिल हैं। बता दें कि एयरपोर्ट के दो साइड होते हैं- एयरसाइड और सिटीसाइड। एयरसाइड में एयरक्रॉफ्ट्स का आना-जाना यानी अराइवल और डिपॉर्चर होता है, जिसमें रनवे, कंट्रोल टॉवर्स, एयरक्रॉफ्ट मेंटिनेंस और रिफ्यूलिंग जैसी सभी सुविधाएं शामिल होती हैं।

वहीं सिटीसाइड एयरपोर्ट कमर्शियल बेनिफिट के लिए बनाए जाते हैं। इसके तहत पैसेंजर्स के फायदे के लिए हवाई अड्डे के चारों ओर कमर्शियल फैसिलिटीज बनाई गई हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो एयरसाइड हवाई अड्डे का वह सुरक्षित क्षेत्र है जहां केवल बोर्डिंग पास वाले यात्री पहुंच पाते हैं, जबकि सिटीसाइड या लैंडसाइड हवाई अड्डे का सार्वजनिक क्षेत्र है जो किसी के लिए भी पहुंच योग्य है।

सचिन ने रणजी में मुंबई की बल्लेबाजी को साधारण बताया

नई दिल्ली । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने रणजी ट्रॉफी के फाइनल में मुम्बई की बल्लेबाजी को साधारण करार दिया है। सचिन ने कहा कि वह इस प्रकार के क्रिकेट से खुश नहं हैं। मुंबई के बल्लेबाज विदर्भ के खिलाफ अपनी पहली पारी में 224 रन ही बना पाये। तेंदुलकर ने कहा, अच्छी शुरुआत के बाद भी मुंबई के बल्लेबाजों ने साधारण क्रिकेट खेला। वहीं दूसरी ओर, विदर्भ ने चीजों को सरल रखा है और उसके गेंदबाज हावी रहे। साथ ही कहा कि जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा। खेल में कई रोमांचक सत्र होंगे। विकेट पर घास है पर समय के साथ ही गेंद टर्न लेगी जिससे स्पिनरों को सहायता मिलेगी। पहली पारी में मुंबई की टीम 224 रन ही बना पायी। कप्तान अजिंक्य रहाणे और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी भी रन नहीं बना पाये। अय्यर पहली पारी में पांचवे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे पर वह सिर्फ 7 रन बनाकर आउट हो गए हालांकि, शार्दुल ठाकुर ने 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 75 रन बनाये। वहीं विदर्भ ने पहली पारी में 105 रन बनाए।

बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में हो सकती है शमी की वापसी : जय शाह

धर्मशाला

टखने की सर्जरी से उबर रहे भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस साल सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के के दौरान वापसी कर सकते हैं। यह जानकारी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने दी। शमी इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहे। पिछले महीने हुई टखने की सर्जरी के कारण वह बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 22 मार्च से शुरू हो रहे आगामी सत्र से भी बाहर रहेंगे। जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में भी उनकी भागीदारी की संभावना नहीं है। शमी ने भारत के लिए अपना पिछला मैच एकदिवसीय विश्व कप में खेला था। भारत सितंबर में दो टेस्ट और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए बांग्लादेश की मेजबानी करेगा। शाह ने कहा, 'शमी की सर्जरी हो गई है, वह भारत वापस आ गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए शमी की वापसी की संभावना है। लोकेश राहुल को इंजेक्शन की जरूरत थी, उन्होंने रिहैब (चोट से उबरने की प्रक्रिया) शुरू कर दिया है और एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में हैं। राहुल दाहिने क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशियां) में दर्द की शिकायत के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के आखिरी चार मैच नहीं खेल पाए थे। लंदन में इलाज कराने के बाद उनके आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलने की उम्मीद हैं। बीसीसीआई सचिव ने ऋषभ पंत पर की चोट से उबरने और खेल में वापसी पर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा पंत आईपीएल में वापसी के लिए तैयार है। पंत दिसंबर 2022 में एक भीषण कार दुर्घटना के बाद से खेल से दूर है। शाह ने कहा, 'वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है, वह अच्छी कीपिंग कर रहा है। हम जल्द ही उसे फिट घोषित कर देंगे। अगर वह टी20 विश्व कप खेल सका तो यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगी। वह हमारे लिए एक अहम खिलाड़ी है। शाह ने कहा, 'अगर वह कीपिंग कर सका तो वह विश्व कप खेल सकता है। देखते हैं कि वह आईपीएल में कैसा प्रदर्शन करता है। इंडियन प्रीमियर लीग में विदेशी निवेश के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है क्योंकि बीसीसीआई कंपनी नहीं सोसाइटी है। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई सोसाइटी है और कोई इस में निवेश नहीं कर सकता है। पिछले साल खबर आई थी कि सऊदी अरब की नजर आईपीएल में अरबों डॉलर के निवेश पर है। भारत में पंजीकृत सोसायटी केंद्र

सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी के बिना विदेशी निवेश स्वीकार नहीं कर सकती है।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम का अभ्यास शिविर आज से

28 सदस्यीय दल घोषित

नई दिल्ली ।

हॉकी इंडिया ने आगामी पेरिस ओलंपिक 2024 की तैयारियों को देखते हुए पुरुष हॉकी टीम के लिए भुवनेश्वर में मंगलवार से एक अभ्यास शिविर का आयोजन किया है।

इसके लिए 28 सदस्यीय सीनियर खिलाड़ियों के कोर समूह की घोषणा कर दी गयी है। ये शिविर 30 मार्च तक चलेगा और इससे राष्ट्रीय टीम और बेहतर बनकर उभरेंगी। इससे पहले भारतीय टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग में बेहतर प्रदर्शन किया था। भुवनेश्वर और राउरकेला चरण में आठ मैचों में 15 अंक हासिल करने के बाद वर्तमान में भारतीय टीम तीसरे स्थान पर हैं। प्रो लीग लीग का अगला सत्र 22 मई को बेल्जियम के एंटवर्प में एक बार फिर शुरू होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने आगामी शिविर को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इससे हमें टीम को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में लाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने साथ ही कहा कि ओडिशा में प्रो लीग मिनी-टूर्नामेंट एक शानदार परीक्षण मैदान साबित हुआ, लेकिन इसमें हमेशा सुधार की गुंजाइश होती है और हम प्रो लीग के अंतिम चरण तथा पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले चीजों को ठीक करने की प्रयास करेंगे।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के मुख्य समूह में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा और रक्षकों हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और अमीर अली को रखा गया है। वहीं शिविर में बुलाए गए मिडफील्डरों में मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह आदि हैं। फॉरवर्ड की बात करें तो आकाशदीप सिंह, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, बॉबी सिंह धामी और अरजीत सिंह हुंदल को रखा गया है।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने दूसरी बार फ्रेंच ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

पेरिस ।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। सात्विकसाईराज और चिराग ने पुरुष युगल में चीनी ताइपे के ली झे-ह्यूई और यांग पो-हुआन की जोड़ी को सीधे गेम में 21-11, 21-17 से हरा दिया। इस जोड़ी ने दूसरी बार ये खिताब जीता है। इससे पहले इस जोड़ी ने साल 2022 भी ये खिताब जीता था। यह जोड़ी साल 2019 में भी फ्रेंच ओपन में उपविजेता रही थी। सात्विक और चिराग ने ली और यांग को आधे घंटे से अधिक चले मुकाबले में 21-11, 21-17 से हराकर सत्र का पहला खिताब जीता है। सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी ने इससे पहले मलेशिया सुपर 1000, इंडिया सुपर 750 में दूसरे स्थान पर रही थी।

मार्श और कैरी की शानदार बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से सीरीज जीती

दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड को 3 विकेट से हराया

क्राइस्टचर्च।

मिचेल मार्श 80 और एलेक्स कैरी 98 की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी 3 विकेट से हराकर 2-0 से सीरीज जीत ली है। इस मैच में जीत के लिए मिले 279 रनों के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सात विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने पहली पारी में 162 जबकि दूसरी पारी में 372 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 256 रन बनाये थे और इस प्रकार उसके पास 94 रनों की बढ़त थी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क ने मेजबान टीम को पहली पारी में 162 रनों पर ही समेट दिया। हेजलवुड ने 5 जबकि स्टार्क ने 3 विकेट लिए। कीवी टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज टॉम लेथम ने सबसे अधिक 38 रन बनाये।

इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मार्नस लाबुशान के अर्धशतक 90 रन की सहायता से अपनी पहली पारी में 256 रन बनाये। इस प्रकार उसे पहली पारी के आधार पर 94 रनों की बढ़त मिली। मेजबान टीम की ओर से मैच

हेनरी ने 67 रन देकर सात विकेट लिए। दूसरी पारी में रचिन रविंद्र, टॉम लेथम और डेरेल मिचेल के अर्धशतकों से मेजबान टीम ने 372 रन बनाकर कंगारुओं को 279 रनों का लक्ष्य दिया। इस लक्ष्य को मेहमान टीम ने हासिल कर लिया।

मार्श ने 102 गेंद पर 10 चौके और 1 छक्के की मदद से 80 रन बनाये जबकि कैरी ने 123 गेंद पर 98 रन की नाबाद पारी खेली।

संक्षिप्त समाचार

नेत्रहीन क्रिकेटरों की प्रतिभा दिखाने पांच मैचों की सीरीज खेल रही भारत और श्रीलंका

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष नेत्रहीन क्रिकेट टीम श्रीलंका के खिलाफ में पांच मैचों की एक टी20 सीरीज खेलेगी। ये सीरीज करनैल सिंह स्टेडियम में शुरू होगी। हुंडई मोटर इंडिया फाउंडेशन द्वारा समर्थत ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड और क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया के सहयोग से ये सीरीज हो रही है। इसका लक्ष्य इन क्रिकेटरों की प्रतिभा सभी के सामने लाना है। इसके साथ ही विकलांग लोगों के लिए जागरूकता बढ़ाने और समावेशिता को बढ़ावा देना भी है। नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए द्विपक्षीय क्रिकेट श्रृंखला से पहले एक समारोह भी होगा। डॉ महंतेश जी. किवदसन्नावर, अध्यक्ष क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया ने कहा, पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए दिल्ली में श्रीलंकाई ब्लाइंड क्रिकेट टीम की मेजबानी करना सम्मान की बात है। यह दोनों टीमों के लिए अपनी क्रिकेट प्रतिभा से हम सभी का मनोरंजन करने का एक अवसर है। पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की हालिया जीत के बाद टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है। अब उसका लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

आईसीसी बैठक में बीसीसीआई पर चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने दबाव बनाएगा पीसीबी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के नये प्रमुख मोहसिन नकवी अब चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की भागीदारी के लिए प्रयास कर रहे हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी अगले साल पाक में खेली जाएगी और पीसीबी चाहता है कि इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अपनी टीम भेजे। वहीं भारतीय टीम मुम्बई में हुए आतंकी हमले के बाद से ही पाक दौरे पर नहीं जा रही। इसी कारण पीसीबी के नये प्रमुख मोहसिन नकवी अगले सप्ताह दुबई में होने वाली आईसीसी बैठक के दौरान चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने को लेकर बीसीसीआई से बात करेंगे। पीसीबी के नये प्रमख को उम्मीद है कि इस बैठक में वह बीसीसीआई सचिव जय शाह को वह मना लेंगे पर ये संभव नहीं लगता है। नकवी की योजना आईसीसी अधिकारियों के साथ ही बीसीसीआई सचिव शाह से भी बात करने की है हालांकि 2025 में फरवरी-मार्च में होने वाले टूर्नामेंट के लिए बीसीसीआई अभी से पाक यात्रा को लेकर कोई जबाव शायद ही दे पाये क्योंकि इसमें अभी तकरीबन एक साल का समय है। गौरतलब है कि चैम्पियंस ट्रॉफी के आईसीसी टूर्नामेंट होने के कारण भारतीय बोर्ड भी पूरी तरह इस टूर्नामेंट के लिए इंकार नहीं करेगा पर टीम भेजने पर अंतिम फैसला भारत सरकार की अनुमति के बाद ही लिया जा सकता है। वहीं पीसीबी का मानना है कि बीसीसीआई ने जिस प्रकार एशिया कप में अपने मुकाबले श्रीलंका में खेले थे। वैसा इस बार नहीं होगा। वहीं जब बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, ''पाक में खेलने पर फैसला केवल भारत सरकार ही कर सकती है और बीसीसीआई को सरकार के आदेश का पालन करना होगा। इसके लिए अभी से अनुमति नहीं मांगी जा सकती है।

बजरंग ओलंपिक से बाहर हुए , विनेश ने महिला वर्ग में नहीं होने दिये ट्रॉयल

पटियाला ।

अनुभवी पहलवान बजरंग पूनिया को पेरिस ओलिंपिक के लिए प्रवेश नहीं मिला है। बजरंग को इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में कांस्य मिला था। वहीं महिला वर्ग में पहलवान विनेश फोगाट ने हंगामा मचाकर ट्रॉयल ही रोक दिये। वीनेश ने महिलाओं के 50 किलो और 53 किलो वर्ग में चयन ट्रायल शुरू नहीं होने दिए। वीनेश की मांग थी कि 53 किलो भारवर्ग के आखिरी ट्रायल ओलिंपिक से पहले होंगे और इसके लिए उन्होंने अधिकारियों से लिखित में आश्वासन मांगा जिसके लिए अधिकारियों ने इंकार कर दिया। विनेश 50 किलोवर्ग के ट्रायल के लिए यहां साई केंद्र पहुंची थीं। वह पहले 53 किलोवर्ग में उतरती थी पर उस वर्ग में अंतिम पंघाल को कोटा मिलने के कारण उन्होंने अपना भारवर्ग कम किया। विनेश ने इसके बाद लिखित आश्वासन की मांग करते हुए प्रतिस्पर्धा शुरू ही नहीं होने दी। उन्होंने 50 किलो और 53 किलो दोनों में भाग लेने की अनुमति मांगी, जिससे अधिकारी मुश्किल में पड़ गये। ऐसे में 50 किलो भारवर्ग में उतरे पहलवान शिकायत करने लगे। उन्होंने कहा, हम ढाई घंटे से इंतजार कर रहे हैं।

वहीं आईओए द्वारा गठित तदर्थ समिति पहले ही कह चुकी थी कि

53 किलो वर्ग के लिए अंतिम ट्रायल होगा, जिसमें इस भारवर्ग के शीर्ष चार पहलवान उतरेंगे। ट्रायल के विजेता को पंघाल से मुकाबला करना होगा और उसमें विजयी रहने वाली पहलवान ही भारत की ओर से ओलंपिक में उतरेगी। विनेश और बजरंग पूनिया पर पहले भी ये आरोप लगे थे कि वे बिना ट्रायल के ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना चाहते हैं। ट्रायल के दौरान मौजूद एक कोच ने कहा, विनेश सरकार से आश्वासन चाहती हैं। उन्हें डर है कि अगर कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के हाथ में फिर सत्ता आ गई तो चयन नीति बदल सकती है पर सरकार इस पर आश्वासन कैसे दे सकती है। सरकार चयन मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

इंग्लैंड टीम अपने खेल की समीक्षा करे : वॉन

टीम संस्कृति को नहीं अपना पाये खिलाड़ी

धर्मशाला ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि इंग्लैंड टीम को भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार से सबक लेते हुए अपने खेल की समीक्षा करनी चाहिये। वॉन ने कहा कि खिलाड़ी टीम संस्कृति को पूरी तरह से नहीं अपना पाए हैं जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ा है। वॉन ने कहा कि टीम को मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल टीम के मैनेजर पेप गार्डियोला की रणनीति अपनानी चाहिये। वॉन ने कहा, 'भारत दौरे में मिली इस सीरीज हार की ईमानदारी से समीक्षा होनी चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, 'मुझे नहीं लगता कि उन्हें सब कुछ बदलने की जरुरत है। वे इस हार के बाद भी काफी अच्छे खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, 'वे जो करने की कोशिश कर रहे हैं, मैं उसका सम्मान करता हूं और हर दिन जल्दी उठकर उन्हें देखता हूं क्योंकि उन्होंने अपनी आक्रामक रणनीति से प्रारूप को रोमांचक बनाया है। इससे हमेशा ऐसा लगता है कि मैच में कोई भी बदलाव आ सकता है। वॉन ने कहा, 'सबसे बड़ी निराशाजनक बात ये है कि बेहतर प्रतिभाएं होने के बाद भी वे दो बड़ी सीरीजों श्रृंखलाओं को जीतने में असफल रहे हैं। इस सीरीज में भी बल्लेबाज उम्मीद के अनुरुप नहीं खेल पाये। वॉन ने टीम प्रबंधन पर आरोप लगाया कि उसने खिलाड़ियों के प्रति बहुत नरम रवैया अपनाया है। शिविर में सकारात्मकता, मौज-मस्ती और हंसी-मजाक की भावना व्याप्त है पर इससे हमेशा ही अच्छे परिणाम नहीं आते हैं। उन्होंने कहा, 'हर साक्षात्कार में आप उत्साह, अवसर और मौज-मस्ती के बारे में वही बातें सुनते हैं, मैं पिछले कुछ वर्षों में उनमें से कई खिलाड़ियों और सहयोगी सदस्यों के साथ रहा हूं। उनकी भाषा प्रेरणादायक हो सकती है पर से हमेशा काम नहीं करती।

अब सितंबर में बांग्लादेश से टेस्ट सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली । इंग्लैंड में खेली गयी सीरीज जीत के बाद अब भारतीय टीम को अगले कुछ महीनों तक टेस्ट नहीं खेलना है। इस दौरान खिलाड़ी आईपीएल और टी20 विश्वकप खेलेंगे। भारतीय टीम अब सितंबर में ही टेस्ट मैच खेलेगी। भारतीय टीम सितंबर-अक्टूबर में अपनी धरती पर बांग्लादेश से खेलेगी। दो मैचों की इस टेस्ट सीरीज की तारीख अभी सामने नहीं आई है पर इसे सितंबर के अंत में खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी धरती पर 3 टेस्ट मैच खेलेगी। नवंबर और जनवरी में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के साथ उसके घर पर पांच मैच खेलेगी। बांग्लादेश का खेल पिछले कुछ सालों में विवादों से भरा रहा है। मैदान पर भारत के खिलाफ विकेट हासिल करने के बाद का उसने जिस अंदाज में जश्न मनाया उससे प्रशंसक बेहद नाराज हैं। नागिन डांस करके खिलाड़ियों का भारत को चिढ़ाना हो या फिर अंडर 19 विश्व कप में टीम इंडिया की जूनियर टीम से झड़प आदि को लेकर बांग्लादेशी खिलाड़ी बदनाम रहे हैं।

एंडरसन का रिकार्ड शायद ही कोई तेज गेंदबाज तोड़ पाये : ब्रॉड

लंदन ।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने साथी खिलाड़ी जेम्स एंडरसन की जमकर प्रशंसा की है। ब्रॉड ने कहा कि किसी को भी उनके समर्पण और कौशल पर संदेह नहीं करना चाहिए। 41 साल की उम्र में भी जिस प्रकार वह गेंदबाजी करते हैं उससे सभी को प्रेरणा मिलती है। एंडरसन 700 टेस्ट विकेट पूरे करने वाले पहले तेज गेंदबाज हैं। ब्रॉड ने कहा, यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि है और मुझे नहीं लगता कि कोई अन्य तेज गेंदबाज इस रिकार्ड की बराबरी कर पायेगा। साथ ही कहा कि बिना समर्पण और मानसिक लचीलेपन के कोई भी 41 साल की उम्र तक नहीं खेल सकता। पिछले दो दशक में उन्होंने अलग-अलग हालातों में खेलते हुए ये सफलता हासिल की है। ब्रॉड ने कहा, उन्होंने शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के तरीके ढूंढ लिए हैं और अभी भी बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं, जो कि जब आप इसके बारे में सोचते हैं तो यह असाधारण है। ब्रॉड ने कहा कि वह चाहते थे कि इस साल जुलाई से वेस्ट इंडीज और श्रीलंका के खिलाफ एंडरसन को अपना 700 वां विकेट लेते देखे पर ये उपलब्धि उन्होंने पहले ही हासिल कर ली। उन्होंने कहा कि ये तेज गेंदबाज इस साल 42 साल का हो जाएगा। ऐसे में वह कब तक टेस्ट गेंदबाज बने रहेंगे ये देखना होगा।

उन्होंने कहा, एंडरसन के संन्यास पर लोग सवाल पूछ रहे हैं पर ये कब होगा। इसका मुझे अंदाजा नहीं है।

साथ ही कहा कि उसे पता चल जाएगा कि जाने का सही

समय कब है, और केवल वह ही यह निर्णय ले सकता है। वहीं कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम चाहेंगे कि वह ऑस्ट्रेलिया में एशेज को ध्यान में रखते हुए अगले 18-24 महीनों तक इसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन करें पर एंडरसन तब तक 43 साल के हो जाएंगे और शायद वह इतना आगे के बारे में नहीं सोच रहे हैं।

श्रेयस रणजी में भी विफल रहे

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर हुए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब रणजी ट्रॉफी में भी असफल रहे हैं। मुंबई की ओर से खेलते हुए श्रेयस विदर्भ के साथ हुए फाइनल में भी रन नहीं बना पाये हैं। श्रेयस पहली पारी में केवल सात रन ही बना पाये। इस बल्लेबाज को हाल ही में बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध सूची से भी बाहर कर दिया गया था। इसके बाद वह रणजी ट्रॉफी खेलने को तैयार हो गये थे। फाइनल से पहले हुए सेमीफाइनल में भी अय्यर रन नहीं बना पाये थे। इस मैच में विदर्भ ने टॉस जीतकर मुंबई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। अय्यर पहली पारी में पांचवे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पर वह केवल 7 रन ही बना पाये। वहीं इससे पहले सेमीफाइनल में भी अय्यर केवल 3 रन बना पाये थे। इससे पहले वह इंग्लैंड के खिलाफ खेले पहले दोनो टेस्ट मैचों में भी रन नहीं बना पाये थे। इसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। श्रेयस खराब फिटनेस के कारण एकदिवसीय विश्वकप के बाद से ही टीम से बाहर थे। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से उन्हें वापसी का अवसर मिला था पर वह लाभ नहीं उठा पाये और बाहर हो गये।

3 महीने की बाकी पगार के लिए श्रमिकों ने कामदार गौरव मजदूर यूनियन के माध्यम से अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर को ज्ञापन दिया

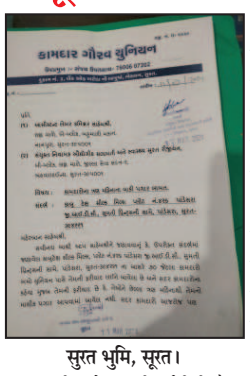

सुरत भुमि, सूरत।

शहर की पांडेसरा जीआईडीसी के प्लॉट नं. 426 में चलने वाली काबु टेक्स सिल्क मिल्स के मालिक द्वारा कंपनी के लगभग 70 कर्मचारी की पगार 3 महीने से न मिलने पर कामदार गौरव मजदूर यूनियन में जाकर कंपनी मालिक के विरुद्ध शिकायत दर्ज करवाई गई।

बता दें कि, पिछले 3 महीने से काबु टेक्स सिल्क मिल्स में पगार ना मिलने के बाद भी कारीगर संस्था में अपनी नौकरी कर रहे हैं। कई बार संस्था के मालिक तथा अन्य अधिकारियों के समक्ष पगार देने के लिए उन्होंने आवेदन भी किया, लेकिन संस्था के मालिकों के तरफ से एग्रीमेन्ट दी गई जिसमें लिखा था कि बहुत जल्दी कारीगरों को उनका पगार प्राप्त हो जाएगा। किंतु आज तक पिछले 3 महीने में कारीगरों को पगार नहीं दिया गया है। यह कारीगर संस्था के डाईंग खाता में अलग-अलग विभाग में काम करते हैं और आज की तारीख में भी काम कर रहे हैं। पिछले 3 महीने से पगार ना मिलने के कारण इनकी और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत ही कठिन हो चुकी है।

यह कारीगर पिछले 4 वर्षों से काबु टैक्स सिल्क मिल्स में ईमानदारी से काम कर रहे हैं किंतु इन्हें मजदूर कायदा के तहत मिलने वाले लाभ और हक आज तक प्राप्त नहीं हुए हैं। उन्हें उनका हक छुट्टी का लाभ कुछ भी नहीं दिया जाता। साथ ही उन्हें प्रोविडेंट फंड का भी फायदा नहीं दिया जाता और ना ही इ.एस.आई. जैसे किसी भी कायदे का कोई लाभ प्राप्त नहीं होता है। आज तक यह सभी लाभ प्राप्त करने के लिए कारीगरों ने संस्था के मालिक राजू भाई तथा मनीष भाई के पास बहुत बार मौखी आवेदन किया परंतु आज तक उन्हें कोई भी लाभ या हक प्राप्त नहीं हुआ। जिस विषय में फिर कारीगरों ने कामदार गौरव यूनियन की मदद से अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर को आवेदन दिया है। जिससे कारीगरों को ना सिर्फ उनके पिछले 3 महीने की बकाया पगार बल्कि साथ ही अन्य लाभ और हक भी प्राप्त हो सके।

एक तरफ भारत सरकार द्वारा देश की जनता को मीडिया द्वारा यह जानकारी दिया जाता है कि भारत विश्व का सबसे शक्तिशाली देश बन गया तो इन बातों से शर्म आती है की क्या श्रमिकों की पगार रोककर पूंजीपति व्यापारी सरकार के खाते में जीएसटी के जरिए अपना टैक्स भर दे रहे हैं जिससे सरकार की तिजोरी तो भर रही है। इसके बावजूद भी सरकार देश की जनता पर इतना कर्ज ठोक दिया है की हर व्यक्ति को लाखों रुपए कर्ज भरना पड़ रहा हैं। फिर भी सरकार यह बताती है की सूरत सिटी स्मार्ट सिटी के स्तर पर पहुंच गई है जब कि हकिकत में तो इस शहर में अब सिर्फ गरीब मजदूर श्रमिकों का शोषण हो रहा हैं।

इस देश में मजदूरों का कोई अस्तर नहीं है सबसे निचले पायदान पर रखकर इनके खून पसीने से तैयार कपड़े देश के नौजवान सैनिकों व बीआईपी तथा देश का एक-एक नागरिक इनके बनाए हुए कपड़े पहनता है। इन्हीं के द्वारा ऐसे कपड़ों का भी निर्माण किया जाता है की गरीब से गरीब लोग और अमीर से अमीर लोग भी अपने मनपसंद कपड़े की खरीदी करते हैं लेकिन इनके खून पसीने की सरकार के खाते में कोई कद्र नहीं है। अब देखना यह हैं कि, क्या असि. लेबर कमिश्नर इस फरियाद पर ध्यान देते हुए गरीब मजदूरों को उनका हक दिला पाएँगें? क्या असि. लेबर कमिश्नर इन गरीब श्रमिकों की मदद करके उनके परिवार के पालन पोषण में मदद कर पाएँगें? या सरकार के दबाव में मजबूर नजर आएँगें।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर Candor IVF center Pvt Ltd में आयोजित HPV टीकाकरण शिविर का 800 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया

सुरत भुमि, सूरत। विख्यात बांझपन निवारण केंद्र कैंडोर आईवीएफ सेंटर ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को गर्भाशय के मुख के कैंसर से बचाने के लिए एचपीवी टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का 800 से अधिक महिलाओं ने लाभ लिया।

कैंडोर आईवीएफ सेंटर के संस्थापक डॉ. जयदेव धामेलिया ने कहा कि आज जब महिलाओं में गर्भाशय के कैंसर का प्रमाण बढ़ रहा है, तब महिलाओं को इसके प्रति जागरूक करने के साथ- साथ गर्भाशय के कैंसर से बचाने के लिए प्रभावी एचपीवी वैक्सीन उपलब्ध है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कापोद्रा स्थित कैंडोर आईवीएफ सेंटर में टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित इस शिविर में 800 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

गौरतलब है कि कैंडोर आईवीएफ सेंटर की सूरत में चार और गुजरात में कुल आठ शाखाएं हैं। जबकि एक शाखा गुजरात से बाहर भी काम कर रही है। आने वाले दिनों में और भी शाखाएं खोलने की तैयारी है।

सुरत भुमि, सूरत। चूरु नागरिक परिषद, सूरत द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन रविवार को शाम पाँच बजे से सिटी-लाईट स्थित माहेश्वरी भवन के राधे कुंज हॉल में किया गया। आयोजन में चंग पर होली की धमाल की प्रस्तुति हुई एवं फूलों की होली खेली गई। आयोजन में सभी पुरुष एवं महिलाएँ पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित रहें। आयोजन में सभी ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएँ दी

केपी ग्रीन इंजीनियरिंग लिमिटेड का SME प्लेटफॉर्म पर सबसे बड़ा 189.50 करोड़ रुपये का IPO, पहला रोड-शो सूरत में आयोजित हुआ

सुरत भुमि, सूरत। गुजरात स्थित केपी ग्रुप की 25 साल पुरानी फ्लेगशीप(मुख्य) कंपनी, केपी ग्रीन इंजीनियरिंग लिमिटेड का स्वथ्य प्लेटफॉर्म पर सबसे बड़ा 189.50 करोड़ रुपये का आईपीओ आ रहा है। इसका पहला रोड शो(इन्वेस्टर, ब्रोकर मीट) सूरत के ली-मेरिडियन होटल में आयोजित किया गया था। विभन्न कंपनियों का पहला रोड शो अब तक, दिल्ली या मुंबई में आयोजित हुआ है लेकिन इस कंपनी का मुख्यालय सूरत में होने के कारण एक नई प्रथा पर अमल किया जा रहा है। कंपनी दि. 22 मार्च को बेल सेंसेमनी (समारोह) का आयोजन भी सूरत में ही करने वाली है।

इस संदर्भ में जानकारी देते हुए केपी ग्रुप के अध्यक्ष-प्रबंध निदेशक डॉ. फारूक जी. पटेल ने कहा कि, आईपीओ के लिए प्रत्येक रू5/- फैस वैल्यू के साथ प्रति इक्विटी शेयर रू137/- से रू144/- का प्राइस बैंड तय किया गया है। यह आईपीओ सबस्क्रिप्शन के लिए शुक्रवार, 15 मार्च, 2024 को खुलेगा और मंगलवार, 19 मार्च, 2024 को बंद होगा। इससे पहले हमारी दो कंपनियां शेयर बाजार में आ चुकी हैं। जिसमें केपी एनर्जी लि. का लिस्टिंग वर्ष 2016 में हुआ था। केपी एनर्जी का मार्केट कैप आज 2638 करोड़ रुपये है। एक अन्य कंपनी KPI ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का लिस्टिंग वर्ष 2019 में हुआ था। इस कंपनी का मार्केट कैप 10404 करोड़ रुपये है। हमने सोचा था कि, डॉलर जितनी हमारी कीमत होगी और KPI ग्रीन का एक रुपया ठीक 84 रुपये हो गया। यही हमारा प्रदर्शन रहा है। केपी ग्रुप का 150 अरब रु. से अधिक का बिज़नेस एम्पायर(कारोबार साम्राज्य) है। दोनों कंपनियां नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र, सौर-पवन ऊर्जा और हाइब्रिड में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और जिसका आईपीओ ला रहे हैं, वो केपी ग्रीन इंजीनियरिंग, बीते 25 वर्षों से काम कर रही है। इसलिए मैं निश्चित रूप से कहूंगा कि, यह अच्छा प्रदर्शन ही करेगी। हम प्रधानमंत्री मोदी के नवीकरणीय क्षेत्र में 2030 तक 500 गीगावॉट के लक्ष्य तक पहुंचने और अन्य देशों पर देश की निर्भरता को कम करने के लिए आक्रामक रूप से आगे बढ़ रहे हैं।

नई फ़ैक्टरी का निर्माण कार्य जारी :

केपी ग्रीन इंजीनियरिंग लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक मोइनुल कड़वा ने कहा कि, कंपनी भरूच जिले के मातर गांव में एक बड़ी फैक्ट्री का निर्माण कर रही है। इसमें उत्पादन सुविधा की कुल परियोजना लागत रु. 174.04 करोड़ रुपये है। ऑफर के माध्यम से जुटाई जाने वाली राशि में से हमने 156.14 करोड़ रुपये तक की राशि का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा है। हाल में डभासा में 2 लाख वर्ग फुट में फैली फैक्ट्री में प्रति वर्ष 53,000 मीट्रिक टन की क्षमता है, यह नई इकाई मातर में वार्षिक 294,000 मीट्रिक टन की क्षमता के साथ उत्पादन सुविधा का विस्तार करने की योजना है। 31 दिसंबर, 2023 तक कंपनी के पास अंदाजित 233.91 करोड़ रुपये की कुल ऑर्डर बुक वैल्यू के साथ 69 प्रोजेक्टस(परियोजनाएं) हैं।

अगर आप रोज़ाना कसरत करते हैं तो अपनी डाइट में बादाम को जरूर शामिल कीजिए

एक सर्वे के मुताबिक, 2 में से लगभग 1 भारतीय ने कोविड-19 महामारी के बाद से अपना कसरत करने का समय बढ़ा दिया है। नियमित रूप से व्यामयाम करने के कई फायदे होते हैं, जैसे कि आपकी ताकत और सहनशक्ति बढ़ती है। लेकिन संतुलित आहार लेना भी उतना ही महत्वईपूर्ण है। जो नियमित रूप से कसरत करते हैं, उन्हेंल प्रोटीन, कॉम्लेउतनाक्सज कार्बोहाइड्रेट्स और हेल्दीक फैट पर्याप्त मात्रा में लेना जरूरी होता है। ऐसे में बादाम बड़े काम आ सकती है। बादाम को खाने से संतुष्टि मिलती है और उसमें प्रोटीन, हेल्दीह फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट विटामिन ई बहुत अच्छी मात्रा में होता है। यह सभी सेहत के लिये काम करते हैं और मांसपेशियों की टूट-फूट को ठीक करने में सहायक होते हैं।

आमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा वित्तकपोषित हाल में किया गया अध्ययन बताता है कि बादाम खाने से मांसपेशियों की कार्यात्मकता सुधर सकती है और कसरत के बाद सामान्यी स्थिति पाने में मदद मिलती है। द विटार्ड स्टिडी नामक इस अध्यमयन ने खुलासा किया है कि इसमें भाग लेकर बादाम खाने वाले लोगों को एक वर्टिकल लीप चैलेंज के दौरान कंट्रोल ग्रुप के लोगों की तुलना में मांसपेशियों का दर्द 25त कम हुआ।

बादाम पोषक-तत्वोंन से भरपूर होती हैं, उनमें जरूरी विटामिन और मिनरल होते हैं। एक औंज बादाम में 6 ग्राम प्रोटीन और 14 ग्राम मोनोअनसैचुरेटेड तथा पॉलीसैचुरेटेड फैट्स होती हैं। इसके अलावा, हर सर्विंग में बादाम 3.5 ग्राम डाइटरी फाइबर देती हैं। और तो और, इनमें मैग्नीशियम जैसे मिनरल्सट भी प्रचुर मात्रा में होते हैं और रोजाना के अनुशंसित सेवन का लगभग 20त मिल जाता है। बादाम विटामिन ई का भी बेहतरीन स्त्रोत हैं। रोजाना की जरूरत का आधा विटामिन ई उनसे मिल जाता है और हर सर्विंग में रोजाना की जरूरत का लगभग 6त कैल्शियम भी मिलता है। फिर, बादाम का न्यूट्रीशनल प्रोफाइल भी काफी समृद्ध होता है। इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है, जोकि शरीर के दर्द और ऑक्सीधडेटिव स्ट्रेस से लड़ने में सहायता करते हैं।

कुल मिलाकर, तंदुरुस्तीड के शौकीनों और नियमित रूप से कसरत करने वालों के लिये अपने आहार में बादाम को शामिल करना अच्छां है। बादाम प्रोटीन, हेल्दीर फैट्स, फाइबर, विटामिन और मिनरल से प्रचुर होते हैं। बादाम संपूर्ण सेहत में सहयोग देते हैं और व्यीयाम को बेहतर बनाने में भी मदद करते हैं। कसरत करने से पहले बादाम खाने से हमारे शरीर को ऊर्जा मिलती है और अगर इन्हीं बाद में खाया जाए तो ये मांसपेशियों की मरम्मात कर उन्हेंश तेजी से ठीक करने में सहायक होती हैं। बादाम सुविधाजनक और कई उपयोगों वाली होती हैं। उन्हें किसी भी आहार में आसानी से मिलाया जा सकता है। बादाम तंदुरुस्ती और सेहत को समर्पित लोगों के लिये एक पोषक एवं स्वा दिष्ट विकल्पा है।

खाटूधाम पैदल यात्रा का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। बाबा श्याम के फाल्गुन मेले के उपलक्ष में हज़ारों भक्त सूरत से खाटूधाम दर्शन के लिए जाते है। सोमवार को सूरत के श्याम भक्तों ने रिंगस स्थित निशान भवन में पूजा करके पैदल यात्रा शुरू की। रात्रि को बाबा श्याम को निशान अर्पण किए। इस मौक़े पर भक्त सालासर बालाजी, जीण माताजी आदि के भी दर्शन करेंगे।

प्रथम श्री श्याम महोत्सव का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत।

स्प्रिंग वैली परिवार द्वारा फाल्गुन माह के उपलक्ष में रविवार को प्रथम श्री श्याम महोत्सव का आयोजन न्यूसिटी-लाईट स्थित स्प्रिंग वैली अपार्टमेंट में किया गया। इस मौक़े पर बाबा श्याम का आलौकिक दरबार सजाया गया। शृंगारित दरबार के समक्ष शाम सात बजे से अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। उसके बाद भजन संध्या में स्थानीय भजन गायक कलाकार अजीत दाधीच, दीपक बंका एवं राकेश अग्रवाल ने भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी। महोत्सव में इत्र-फुहार, पुष्प वर्षा, महाप्रसाद आदि कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

अहमदाबाद के जयंतीभाई शर्मा को जलतरंग वाद्य में उनके शोध के लिए राष्ट्रपति द्वारा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में दिनांक 6 मार्च, 2024 को, श्री जयंतीभाई शर्मा को भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा संगीत के जलतरंग वाद्ययंत्र में उनके शोध और नवाचार के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार -2023 से सम्मानित किया गया है। जयंतीभाई शर्मा को जलतरंग वाद्ययंत्र में महारत हासिल है। इसके अलावा जयंतीभाई ने संगीत में भी काफी ऊंचा मुकाम हासिल किया है. जयंतीभाई शर्मा के साथ, उनके बेटे हम्मदीप ने जल वाद्ययंत्र में नलिका तरंग, काच तरंग, लोह तरंग और एल्यूमीनियम बॉल तरंग पर शोध करके संगीत वाद्य में महान योगदान दिया है। इस सम्मान से गुजरात समेत भारत के संगीत कलाकार बेहद खुश और उत्साहित हैं।

गन्ने में टिकाऊ फसल पोषण और प्रबंधन बनाए रखने के लिए क्रॉपटेक गन्ने की आवश्यकता होती है

गुजरात।

टिकाऊ मिट्टी की उत्पादकता के लिए, गन्ने की फसलों को मुख्य रूप से उचित विकास सुनिश्चित करने और अंतत: उच्च पैदावार सुनिश्चित करने के लिए उच्च पोषक तत्वों की पर्याप्त और संतुलित मात्रा की आवश्यकता होती है। मिट्टी की स्थिरता उसके मूल उर्वरता निर्धारण कारकों के भौतिक, रासायनिक और जैविक गुणों पर निर्भर करती है। लागू उर्वरक की मात्रा की दक्षता एन, पी, के, कार्बनिक पदार्थ, सूक्ष्म पोषक तत्वों और पानी की गुणवत्ता के आंतरिक स्तर पर निर्भर करती है। वर्तमान में सभी इनपुटों का उपयोग अत्यधिक अनुपातहीन (उच्च या निम्न) तरीके से किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप मिट्टी के पोषक तत्वों की कमी हो जाती है जिससे मिट्टी का क्षरण होता है। परिणामस्वरूप, यदि मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्वों का भंडारण ठीक से प्रबंधित नहीं किया जाता है, तो इससे पोषक तत्वों की कमी, पौधों का खराब प्रदर्शन और कृषि उत्पादकता में कमी हो सकती है। इसलिए, भूमि एक सीमित और गैर-नवीकरणीय संसाधन है जिसे वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लाभ के लिए जिम्मेदारी से संरक्षित और प्रबंधित करने की आवश्यकता है।

किसान का नाम: जयेशभाई पटेल, गांव: ओरना, तालुका: कामरेज, जिला: सूरत, राज्य: गुजरात - मैंने इस वर्ष अपने खेत में क्रॉपटेक गन्ना (9:24:24) का उपयोग किया है, जिसमें मुझे गन्ने की ऊंचाई और फुट अच्छी मिली। साथ ही मिल योग्य गन्नों की संख्या और इंटरनोड की लंबाई भी अन्य खादों की तुलना में बहुत अच्छी थी। क्रॉपटेक गन्ने में मुझे 45 टन/एकड़ उत्पादन मिला, जबकि अन्य उर्वरक उपयोग वाले गन्ने में 35 टन/एकड़ उत्पादन मिला।

जमीन स्वास्थ्य और इसके प्रभावगन्ने की मिट्टी की गुणवत्ता और उत्पादकता में गिरावट मुख्य रूप से नाइट्रोजन और यूरिया आधारित उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के साथ-साथ पोटाश उर्वरकों के अपर्याप्त उपयोग और आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों की पर्याप्त मात्रा के कारण है। चूंकि गन्ना एक लंबी अवधि और उच्च उत्पादकता वाली फसल है, यह मौसम के आधार पर रोपण के 12 से 18 महीने के बीच फसल के लिए तैयार हो जाती है। उर्वरकों के असंगत उपयोग के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए महाधन एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा विकसित एक सरल फसल पोषण समाधान का उपयोग करके एक प्रमुख प्रबंधन कार्यक्रम अपनाएं। इस कार्यक्रम के लाभ, यह संतुलित पोषण समाधान के माध्यम से मिट्टी के स्वास्थ्य की देखभाल करने में मदद करेगा और यह फसलों को सभी आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करेगा साथ ही किसानों द्वारा उपयोग में आसानी होगी। यह किसानों को अनावश्यक उर्वरक उपयोग पर होने वाली अतिरिक्त लागत से भी बचाता है। इस पोषण समाधान को सही स्रोत, सही दर पर, सही समय पर और सही जगह पर उपयोग के रूप में परिभाषित किया गया है। इस पोषण कार्यक्रम का एक अतिरिक्त लाभ यह है कि यह पोषक तत्वों की लीचिंग हानि और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को रोककर पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने में भी मदद करता है।

टिकाऊ कृषि में संतुलित फसल पोषण एक प्रमुख समाधान है: किसान उर्वरक शेड्यूलिंग, सही समय पर उर्वरकों के उचित मिश्रण और वैज्ञानिक सिफारिशों और मिट्टी के पोषक तत्व प्रोफाइल के आधार पर सही मात्रा की गणना करने में विशेषज्ञ नहीं हैं, न ही उन्हें सही तरीके से समर्थन दिया जाता है। संसाधन। अधिकांश किसान अपने कृषि समाधानों के लिए मुख्य रूप से स्थानीय इनपुट डीलरों पर निर्भर हैं जो उनके लिए उपयुक्त और लागत प्रभावी हो भी सकते हैं और नहीं भी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)